

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच



वर्ष- 18 अंक - 28 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 11 नवम्बर 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

सार-संक्षेप

दो दिन में हाथी ने तीन लोगों को कुचला, सभी की मौत

सूरजपुर। छत्तीसगढ़ के सूरजपुर जिले में हाथी के हमले से तीन लोगों की मौत हो गई है। हाथी ने दो दिनों बीतर अलग-अलग इलाके के तीन लोगों को हमला किया। रात में हाथी के हमले की दो अलग-अलग घटनाओं में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि सोमवार को एक अन्य हमले में एक व्यक्ति की जान चली गई। वन विभाग की टीम ने लोगों को अलर्ट किया है। सूरजपुर के एक वन अधिकारी ने बताया कि पहली घटना आठ नवंबर की रात सूरजपुर वन परिक्षेत्र के सोनपुर गांव के पास की है, जहां हाथी ने महू लाल कंवर पर हमला कर दिया। उन्होंने बताया कि इसी रात प्रतापपुर वन परिक्षेत्र के श्यामनगर गांव निवासी कृष्णा राजवाड़े को भी हाथी ने कुचलकर मार डाला। सोमवार को कंदरई गांव में शौच के लिए जा रहे विष्णु राम पर हाथी ने हमला कर दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

चलती यात्री बस में लगी भीषण आग, चालक की सूझबूझ से टला बड़ा हादसा

कोरबा। जिले के कटघोरा में एक चलती यात्री बस में अचानक भीषण आग लगने से हड़कंप मच गया। बस के गियर बॉक्स में आग लगने के बाद केबिन में धुएं का गुबार भर गया। धुआं उठता देख यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हालांकि चालक की सूझबूझ और तत्परता से बड़ा हादसा टल गया। बस में सवार सभी 20 से 25 यात्रियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। यह घटना कटघोरा तहसील चौक की है। जानकारी के अनुसार यादव ट्रेवल्स की बस कोरबा से बिलासपुर जा रही थी। बस जब तहसील चौक के पास पहुंची तो अचानक गियर बॉक्स से धुआं निकलने लगा। देखते ही देखते केबिन में धुएं का गुबार भर गया। धुएं की गंध आते ही यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई। चालक ने तत्काल सूझबूझ दिखाते हुए बस को सड़क किनारे रोक दिया और सभी यात्रियों को तुरंत नीचे उतरने के लिए कहा। गनीमत रही कि आग गियर बॉक्स तक ही सीमित रही और उसने पूरी बस को अपनी चपेट में नहीं लिया।

नासा के सैटेलाइट में कैद हुआ उत्तर भारत का खतरनाक प्रदूषण

नई दिल्ली। नासा के वर्ल्डव्यू और 'मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रोरैडियोमीटर' सैटेलाइट ने दिवाली के 2 दिन बाद उत्तर भारत और पाकिस्तान के ऊपर छाई धुंध और प्रदूषण की घनी परत की तस्वीरें कैद की हैं। अंतरिक्ष से ली गई इन तस्वीरों में दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पाकिस्तान तक इंडो-गांगेय मैदान के ऊपर स्लेटी रंग की धुंध की एक मोटी चादर छाई हुई दिखाई दे रही है। प्रदूषण की ये तस्वीरें नासा के 'मॉडरेट रेजोल्यूशन इमेजिंग स्पेक्ट्रोरैडियोमीटर' उपकरण द्वारा ली गई हैं, जो टेरा और एक्वा सैटेलाइट पर मौजूद है। इस सैटेलाइट इमेज में दिल्ली-हृष्टक्र, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, और पाकिस्तान के कई इलाकों में स्मॉग की घनी परत साफ दिखाई दे रही है। हालांकि मध्य और दक्षिणी भारत भी धुंध की चपेट में हैं, लेकिन उत्तरी क्षेत्र की तुलना में यहां प्रदूषण कम गंभीर लग रहा है। राजस्थान और गुजरात जैसे पश्चिमी राज्यों के साथ-साथ पूर्वोत्तर राज्य भी, सैटेलाइट तस्वीरों में दिखने वाली उस घनी धुंध से काफी हद तक मुक्त नजर आते हैं।

छठ पर रेलवे चलाएगा 4 जोड़ी स्पेशल ट्रेनें, दुर्ग-भिलाई व रायपुर से होकर गुजरेंगी 3 जोड़ी गाड़ियां

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छठ पर्व छत्तीसगढ़ से बड़ी संख्या में पूर्वांचलवासी अपने घर लौटते हैं। ट्रेनों में भीड़ को ध्यान में रखते हुए एसईसीआर की ओर से चार जोड़ी स्पेशल ट्रेनें चलाई जा रही है, जिनमें से तीन जोड़ी ट्रेनें रायपुर से होकर चलेंगी। त्योहार के दौरान छत्तीसगढ़ से हर साल हजारों की संख्या में प्रवासी मजदूर, और नौकरीपेशा लोग अपने घर की ओर रुख करते हैं।

इस भीड़ को संभालने और यात्रियों को सुगम यात्रा देने के लिए रेलवे प्रशासन हर साल विशेष (टीओडी) ट्रेनें चलाता है। हालांकि इसके बावजूद ट्रेनों में कन्फर्म टिकट पाने के लिए लंबी मारामारी देखने को मिलती है। यात्रियों को सुगम, सुरक्षित और कन्फर्म बर्थ के साथ आरामदायक यात्रा का विकल्प उपलब्ध कराने के लिए रेलवे द्वारा विभिन्न गंतव्यों के लिए विशेष ट्रेनों का परिचालन किया जा रहा है।



इन तिथियों पर चलेंगी स्पेशल ट्रेनें

- बिलासपुर-छपरा स्पेशल (गाड़ी संख्या 08255): यह ट्रेन 14 एवं 21 नवंबर 2026 को बिलासपुर से छपरा के लिए रवाना होगी।
- दुर्ग-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल (गाड़ी संख्या 08751): यह ट्रेन 15 नवंबर 2026 को दुर्ग से हजरत निजामुद्दीन के लिए प्रस्थान करेगी।
- दुर्ग-बरौनी स्पेशल (गाड़ी संख्या 08755): यह विशेष ट्रेन 11 एवं 18 नवंबर 2026 को दुर्ग से बरौनी के बीच चलाई जाएगी।
- गोंदिया-पटना स्पेशल (गाड़ी संख्या 08895): यह गाड़ी 13 एवं 20 नवंबर 2026 को गोंदिया से पटना के लिए रवाना होगी।

कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह कोच पटरी से उतरे, गुवाहाटी के पास हादसा, 50 यात्री घायल

श्रीकंचनपथ न्यूज

गुवाहाटी। बुधवार की सुबह असम के गुवाहाटी के पास बड़ा हादसा हो गयाज्ञ। यहां डिगारू रेलवे स्टेशन के पास कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के पांच डिब्बे और इंजन पटरी से उतर गए। हादसे में 50 यात्री घायल हुए हैं। फिलहाल रेलवे ने किसी भी यात्री के मौत की पुष्टि नहीं की है। वहीं घायलों की संख्या और उनकी स्थिति के बारे में आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। घटना के बाद रेलवे ने रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू कर दिया है।



मिली जानकारी के अनुसार यह हादसा बुधवार सुबह करीब 6:54 बजे हुआ। मिजोरम के सैरांग से कोलकाता जा रही ट्रेन के छह डिब्बे और उसका इंजन पटरी से उतर गए। घटना की सूचना मिलते ही पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बचाव और बहाली अभियान शुरू कर दिया गया है। पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कपिंजल किशोर शर्मा ने मीडिया से बातचीत में बताया कि डिगारू रेलवे स्टेशन पर कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस के छह डिब्बे सुबह 6:54 बजे पटरी से उतरे।

उन्होंने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी घटनास्थल पर पहुंच गए हैं। हालांकि, हादसे में कई यात्रियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। घायलों की संख्या और उनकी चोटों की गंभीरता की आधिकारिक पुष्टि होना अभी बाकी है। रेलवे और स्थानीय प्रशासन के अधिकारी स्थिति का आकलन कर रहे हैं। प्रभावित यात्रियों को सहायता उपलब्ध कराने के इंतजाम भी किए जा रहे हैं।

जानिए कैसे हुआ हादसा

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे के पीआरओ किशोर शर्मा ने बताया कि बुधवार को सुबह लगभग 06:54 बजे असम के दिगारू रेलवे स्टेशन पर जब ट्रेन संख्या 13125 कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस को किसी दूसरी ट्रेन को रास्ता देने के लिए रोका जा रहा था, तब लोको पायलट ट्रेन की स्पीड को कंट्रोल नहीं कर सके। इसकी वजह से ही कोलकाता-सैरांग एक्सप्रेस ट्रेन पटरी से उतर गई, जिसमें इंजन और 5 कोच पटरी से उतर गए। उन्होंने आगे जानकारी देते हुए बताया कि सभी यात्री सुरक्षित हैं और किसी को कोई चोट नहीं आई है। उन्होंने कहा कि यात्रियों को दूसरी ट्रेन से उनके गंतव्य तक पहुंचाया जा रहा है। पीआओ कपिनजल किशोर शर्मा ने बताया कि राहत और बचाव कार्य तुरंत शुरू कर दिए गए हैं और महाप्रबंधक (जनरल मैनेजर) अन्य अधिकारियों के साथ घटनास्थल के लिए रवाना हो गए हैं।

सीएम साय ने कहा-कांग्रेस में नहीं थी नक्सलवाद खत्म करने की इच्छाशक्ति

- पीएम मोदी ने खत्म किया नक्सलवाद : सीएम साय

श्रीकंचनपथ न्यूज



रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दीपावली के अवसर पर बस्तर में वीर जवानों के साथ समय बिताने को छत्तीसगढ़ के लिए गौरव और सौभाग्य का विषय बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ को नक्सलवाद से मुक्ति मिली है। ऐसे में प्रधानमंत्री का दीपावली के पावन अवसर पर हमारे जवानों के बीच पहुंचना पूरे प्रदेश के लिए अत्यंत गौरवपूर्ण है। मुख्यमंत्री ने छत्तीसगढ़ की समस्त जनता की ओर से प्रधानमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उन्हें साधुवाद दिया।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने राहुल गांधी की टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी टिप्पणी बेकार का प्रलाप है। नक्सलवाद के खिलाफ निर्णायक लड़ाई लड़ने की इच्छाशक्ति कांग्रेस में कभी नहीं रही। केंद्र में भाजपा की सरकार बनने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री के संकल्प से नक्सलवाद के उन्मूलन के लिए 31 मार्च 2026 की समयसीमा निर्धारित की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि नक्सलवाद के विरुद्ध इस लड़ाई में हमारे वीर जवानों ने अदम्य साहस का परिचय दिया। इस अभियान में जनता का भी भरपूर सहयोग और आशीर्वाद मिला। बस्तर के लोग लंबे समय से नक्सलवाद से मुक्ति चाहते थे। वे विकास से वंचित थे और विकास की मुख्यधारा से जुड़कर आगे बढ़ना चाहते थे। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद छत्तीसगढ़ के विकास में सबसे बड़ी बाधा था, जो अब समाप्त हुआ है।

एअर इंडिया फ्लाइट को हाईजैक करने की धमकी कोलकाता-मुंबई विमान के टॉयलेट में नोट मिला

कोलकाता। कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बुधवार सुबह एअर इंडिया की मुंबई जाने वाली फ्लाइट में हाईजैक की धमकी मिलने से हड़कंप मच गया। विमान के एक टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश लिखा मिला। घटना की जानकारी मिलते ही सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट हो गईं। बताया जा रहा है कि विमान टेकऑफ की तैयारी कर रहा था। इसी दौरान उसके एक टॉयलेट के शीशे पर लिखा धमकी भरा संदेश देखा गया। इसकी सूचना मिलते ही पायलट ने तुरंत एयर ट्रैफिक कंट्रोल यानी एटीसी को अलर्ट कर दिया।



जानकारी के मुताबिक, घटना के बाद विमान को आइसोलेशन बे में ले जाया गया। यहां केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) और एयरपोर्ट के विशेष सुरक्षा कर्मियों ने तलाशी अभियान शुरू किया। विमान के हर हिस्से की बारीकी से जांच की जा रही है, ताकि किसी भी संदिग्ध वस्तु का पता लगाया जा सके। सुरक्षा एजेंसियां यह सुनिश्चित करने में जुटी हैं कि विमान में कोई खतरा मौजूद न हो।

पुलिस और सुरक्षा एजेंसियों ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि विमान के टॉयलेट के शीशे पर धमकी भरा संदेश किसने लिखा और इसके पीछे कौन है। जांच के तहत एयरपोर्ट परिसर और विमान के अंदर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। फिलहाल सुरक्षा एजेंसियां विमान की तलाशी और धमकी के स्रोत का पता लगाने में जुटी हैं।

बांग्लादेश के 21 जिलों में हिंसा: 24 घंटे में 22 वाहन फूंके , ट्रेन का कोच भी जलाया

ढाका। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना की वापसी के ऐलान के बाद बांग्लादेश में हिंसा फिर भड़क गई है। सोमवार रात से मंगलवार शाम तक देश के कम से कम 21 जिलों में आगजनी की घटनाएं सामने आईं। बसों और ट्रेन के कोच में आग लगाई गई। सरकारी दफ्तरों और शिक्षण संस्थानों के गेट भी बंद कर दिए गए।



बांग्लादेश पुलिस और ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक, पिछले 24 घंटे में 11 जिलों में 22 वाहनों को आग लगाई गई। ढाका और छह अन्य जिलों में कम से कम 28 जगह देसी बम धमाकों की घटनाएं हुईं। पुलिस मुख्यालय का दावा है कि इन घटनाओं के पीछे शेख हसीना की पार्टी के समर्थक हैं। पुलिस के मुताबिक, हसीना की बांग्लादेश वापसी की घोषणा के बाद हिंसा की घटनाएं शुरू हुई।



दुर्ग में मासूम का अपहरण और रेप, तीन आरोपी गिरफ्तार

जेवरा-सिरसा चौकी क्षेत्र का मामला

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग जिले के जेवरा-सिरसा चौकी क्षेत्र में 13 साल की नाबालिग से रेप का मामला सामने आया है। आरोप है कि गांव में गोवर्धन पूजा के बाद आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान तीन युवक बच्ची को अपने साथ ले गए। इनमें से एक युवक ने बच्ची के साथ रेप किया। पुलिस ने इस मामने में तीनों युवकों को हिरासत में लिया है। पुलिस के मुताबिक यह गैंगरेप का मामला नहीं है। एक ही युवक पर रेप का आरोप है। उसके साथ गए दोनों युवकों पर अपहरण और अन्य धाराओं के तहत कार्रवाई की जाएगी।



चौकी जेवरा सिरसा अंतर्गत एक नाबालिग बालिका को तीन युवकों द्वारा बहला-फुसलाकर ले जाने और उनमें से एक युवक द्वारा दुष्कर्म किए जाने के मामले में पुलिस ने तत्काल संज्ञान लेते हुए अपहरण, दुष्कर्म एवं संबंधित धाराओं के तहत मामला पंजीबद्ध किया था। विवेचना के दौरान यह तथ्य सामने आया कि तीन युवक नाबालिग बालिका को अपने साथ ले गए थे, जिनमें से एक युवक द्वारा बालिका के साथ शारीरिक संबंध बनाया गया। पुलिस द्वारा इस मामले में भारतीय न्याय संहिता, लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम एवं अन्य सुसंगत प्रावधानों के अंतर्गत विधिवत अपराध पंजीबद्ध कर तीनो आरोपियों को हिरासत में लिया गया है।

एएसपी शोभराज अग्रवाल ने बताया कि पुलिस नाबालिग का बयान दर्ज कर रही है। जांच में यह भी पता लगाया जा रहा है कि बच्ची को अपने साथ ले जाने वाले बाकी दोनों युवकों ने उसके साथ कोई गलत काम तो नहीं किया। एक ही युवक पर रेप का आरोप है। बाकी दोनों युवकों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

संपादकीय

आत्मघाती हरकतें

उम्र घटा रहा है बढ़ता वायु प्रदूषण

जैसा कि पहले से ही डर भी था दिवाली के बाद देश की राजधानी ही नहीं, दिल्ली से लगते हरियाणा- उत्तर प्रदेश स्थित राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्रों में शहरों के गैस चैंबर बनने की खबरें मीडिया में आई हैं। जिसमें सत्ताधीशों की काहिली और नागरिकों के गैर-जिम्मेदार व्यवहार की बराबर की भूमिका रही है। जब वायु प्रदूषण की बात होती है तो सिर्फ दिल्ली की बात होती है, जबकि शेष देश में भी स्थिति कमोबेश ऐसी ही है। हमारा गैर जिम्मेदार व्यवहार केवल दिवाली के समय ही नजर नहीं आता, हम चुनाव के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मसलों को मुद्दा बनाने की कोशिश नहीं करते। सर्दियों की शुरुआत में मौसमी बदलाव, हवा के प्रवाह में कमी, बढ़ते वाहनों का प्रदूषण, निर्माण कार्य में धूल को लेकर लापरवाही व उद्योगों द्वारा पैदा प्रदूषण मिलकर स्थिति को जानलेवा बना देते हैं। एक बार फिर साबित हुआ कि सत्ताधीश जहरीली हवा से अपने नागरिकों को बचाने में नाकाम रहे हैं। अब तो सवाल प्रदूषण को लेकर सामने आने वाले आंकड़ों की हकीकत को लेकर भी उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे ज्यादा प्रदूषित दिवाली रही है। लेकिन वास्तविक आंकड़े सामने नहीं आए हैं। कहा गया कि प्रदूषण के चरम समय के दौरान दिल्ली के बीस से अधिक मॉनिटरिंग स्टेशनों से डेटा भेजना बंद कर दिया गया। जिससे सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता को लेकर भी सवाल उठे हैं। बताया गया कि प्रदूषण मापने वाले काफी स्टेशन काम नहीं कर रहे थे। ऐसे में जब लाखों लोग अपने सेहत को लेकर इन आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं, तो सरकारी-निजी प्लेटफॉर्मों के आंकड़ों के अंतर ने जनता के संदेह को गहरा किया है। इसकी जवाबदेही के लिए जांच जरूरी है। विडंबना यह है कि इस आपात स्थिति में राजनीतिक दल बयानबाजी से बाज नहीं आ रहे हैं। फलत: इस जहरीली हवा में लोगों का दम घुटता है।

> “ हमारा गैर जिम्मेदार व्यवहार केवल दिवाली के समय ही नजर नहीं आता, हम चुनाव के दौरान भी स्वास्थ्य से जुड़े गंभीर मसलों को मुद्दा बनाने की कोशिश नहीं करते। सर्दियों की शुरुआत में मौसमी बदलाव, हवा के प्रवाह में कमी, बढ़ते वाहनों का प्रदूषण, निर्माण कार्य में धूल को लेकर लापरवाही व उद्योगों द्वारा पैदा प्रदूषण मिलकर स्थिति को जानलेवा बना देते हैं। एक बार फिर साबित हुआ कि सत्ताधीश जहरीली हवा से अपने नागरिकों को बचाने में नाकाम रहे हैं। अब तो सवाल प्रदूषण को लेकर सामने आने वाले आंकड़ों की हकीकत को लेकर भी उठ रहे हैं। बताया जा रहा है कि पिछले पांच सालों में इस बार सबसे ज्यादा प्रदूषित दिवाली रही है।

एक ओर जहां ‘आप’ दिल्ली की भाजपा सरकार पर नियमों को ठीक से लागू न करने व प्रदूषण आंकड़ों में हेराफेरी का आरोप लगा रही है। वहीं भाजपा ‘आप’ शासित पंजाब में पराली जलाने को प्रदूषण का कारण बता रही है। तात्कालिक कारकों को नजरअंदाज कर भी दें, लेकिन वाहनों, उद्योगों और कृषि से होने वाले उत्सर्जन की पारदर्शी-नियमित निगरानी जरूरी है। प्रशासन स्वास्थ्य से जुड़ी सलाहों को प्रभावी बनाए ताकि बच्चों-बुजुर्गों और श्वसनतंत्र से जुड़े रोगों से जूझ रहे लोगों को राहत मिले। सालों से हम राजनीतिक नौटंकी, बहानेबाजी व कामचलाऊ उपायों को देख रहे हैं। लेकिन मिलजुलकर ईमानदार कोशिश होती नजर नहीं आती। आखिर सुप्रीम कोर्ट की सख्ती के बावजूद प्रशासनिक तंत्र क्यों नहीं जागता? नागरिक भी पर्यावरण रक्षा के लिये अपनी हिस्से की जिम्मेदारी क्यों नहीं निभाते? बेहतर हो कि हम पर्व पर पटाखे प्रतीकात्मक रूप में ही जलायें। किसी उत्सव को मनाने के तौर-तरीके समाज ही बनाता है। जिसमें समय-हालात के हिसाब से बदलाव भी होता है। लेकिन हम आतिशी जिद में अपने व लोगों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ कर रहे हैं। विदेशों में भारत की छवि खराब कर रहे हैं। फिर यह आत्मघाती कवायद क्यों? चिकित्सा विशेषज्ञ बताते हैं कि यदि एक्यूआई तीन सौ होता है तो हमारी उम्र साढ़े तीन साल तक घट सकती है। जिन बच्चों के फेफड़े विकसित हो रहे हैं और बुजुर्गों के लिये यह स्थिति चिंताजनक है। सांस की बीमारी से जूझ रहे लोगों और कमजोर फेफड़ों वाले मरीजों के लिये यह स्थिति बेहद घातक हो जाती है। सरकारों की तरफ से स्पष्ट गाइडलाइन्स होनी चाहिए कि ऐसे में लोगों को क्या करना चाहिए, कहां रहना चाहिए, बाहर निकलने पर कौन सा मास्क पहनना चाहिए। लेकिन ध्यान रहे मास्क या प्यूरीफायर भी बेहद खराब स्थिति में काम नहीं करते। यही वजह है कि सांस व फेफड़ों से जुड़ी बीमारियों वाले मरीजों की संख्या ओपीडी में तेजी से बढ़ रही है। शिकागो यूनिवर्सिटी के ईपीआईसी के शोधकर्ताओं ने चेताया है कि भारत में प्रदूषण के कारण लोगों की उम्र नौ साल तक घट सकती है। सही मायने में सरकार ही नहीं, हर व्यक्ति को पर्यावरण संरक्षण के लिये अपने हिस्से की जिम्मेदारी निभानी चाहिए।

लोकतंत्र की खूबसूरती में जनमत का महत्व

ज्योति मल्होत्रा



अमेरिका सहित कुछ लोकतंत्रों की गाथा की सीख यह है कि आप जनता को सदा के लिए दबाकर नहीं रख सकते। इस्राइल के सबक भी कि लोकतंत्र में कोई भी शासक या पार्टी स्थाई नहीं। जनता का रुख ही उन्हें सियासी एजेंडा बदलने व गठबंधन बनाने को मजबूर करता है। पंजाब समेत चुनावी राज्यों की राजनीति में भी यह बात लागू होती है।

अमेरिका में हुए मध्यकालीन चुनाव में रिपब्लिकन पार्टी की हार और डेमोक्रेट पार्टी की जीत की कहानी से सीख यह नहीं है कि डोनाल्ड ट्रंप अब और ज़्यादा कमज़ोर हो गए, या यह कि इसका असर अमेरिका की विदेश नीति में परिलक्षित होगा (कि वे अधिक बदलाखोर बनेंगे या कम नर्म), और न ही कि यह चुनावी परिणाम वैश्विक पटल पर तीसरी उम्मीद की सुनहरी किरण बनेगा—ब्राज़ील में फ्लेविया बोल्सोनारो और इस्राइल में बेंजामिन नेतन्याहू की हार के बाद। सीख यह है कि शर्मिंदा हुए अमेरिकी राष्ट्रपति ने परिणाम के कुछ ही घंटों बाद अमेरिकी पत्रकार दाशा बर्न्स की अप्रत्याशित फोन कॉल उठाई और उनसे कहा कि वह अपने शेष दो साल डेमोक्रेट्स के हर काम को ‘वीटो’ करने में बिताने का इरादा नहीं रखते। यहां पर दो संदेश हैं। पहला, कि अपने घमंड के बावजूद, ट्रंप ने रिपब्लिकन की करारी हार को स्वीकार लिया है, वे अपने विपक्ष के साथ समझौतावादी रुख रखना चाहते हैं और मार-ए-लागो में या व्हाइट हाउस में अपने आलीशान बेडरूम में निराशा में नहीं डूबना चाहेंगे। और दूसरा, कि अमेरिकी मीडिया ने इस बढ़ती निराशा की खबरें ठोककर लगाईं और राष्ट्रपति के युद्ध-समर्थक और विज्ञान-विरोधी बेवकूफाना रुझान के खिलाफ डटकर रुख अपनाया, चाहे फिर उस पर कितना भी दबाव क्यों न आया हो।

अब अपनी विचारधारा के मुताबिक, आप या तो ट्रंप की तारीफ कर सकते हैं या उनकी आलोचना, लेकिन इस बात से इंकार नहीं कर सकते कि अमेरिका में लोकतंत्र की खूबसूरती बखूबी काम करती है। कुछ लोग तो यह भी पूछ सकते हैं कि क्या वैश्विक दक्षिणपंथी खेमा आखिरकार रक्षात्मक हो गया है, पेरिस, मिलान और दिल्ली में छात्र प्रदर्शनों के बाद—अच्छी बात यह है कि पेरिस और मिलान के उलट, दिल्ली के प्रदर्शन अधिकांशत: अहिंसावादी रहे हैं। यहां, अपने देश में भी, पिछले सप्ताह भाजपा नेता मनप्रीत बादल की बेटी और वयोवृद्ध कांग्रेस नेता कर्ण सिंह के पोते की शादी के जश्न समारोह में लोकतंत्र की खूबसूरती देखने को मिली सिख और हिंदू धर्मों का मेल, जो पंजाब की संस्कृति का अहम हिस्सा है और उम्मीद है कि शादी के बंधन में बंधे ये दोनों नौजवान सदा खुशी-खुशी रहें।

साफ है, उस शाम की दृश्यावली में पंजाब ही छाया था और केंद्र में था तस्वीरें, हमेशा की तरह, हज़ारों शब्दों की कहानी पढ़ने से अधिक बता रही थीं। जरीदार लिबास और कलगी की शान वाले दृश्य के बीच, आपको पुन: यह सुनिश्चित करने के लिए संविधान की ज़रूरत नहीं कि कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण प्रधानमंत्री मोदी थे, जोकि अचकन और क्रीम रंग का कुर्ता और मैचिंग नेहरू जैकेट पहने हुए थे। एक पूर्व आरएसएस प्रचारक, जिन्होंने 1980 के दशक में पंजाब और हरियाणा में काम किया, एक बार फिर से भाजपा और शिरोमणि अकाली दल के बीच संभावित गठबंधन बनाने में अग्रसर हैं, जो छह साल पहले इसलिए टूट गया था क्योंकि उनकी सरकार ने साझीदार अकाली दल को भरोसे में लिए बिना तीन कृषि कानून लागू कर दिए थे। मार्च माह में ही, गृहमंत्री अमित शाह ने मोगा में हुई एक रैली में ऐलान किया था कि भाजपा आईंदा अकाली दल का ‘छोटा भाई’ बनने को तैयार नहीं है। लेकिन लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यह लोगों को जमीनी हकीकत मानने को मजबूर कर देती है, न सिर्फ अमेरिका में बल्कि पंजाब में भी। हो सकता है, सितंबर के आखिर में जालंधर में शाह की रैली में खाली कुर्सियों ने ही भाजपा के शीर्ष नेताओं का ध्यान इस ओर केंद्रित करने में सहायक बना। जो भी हो, बतौर संभावित भागीदार, भाजपा और अकाली दल, दोनों को अच्छी तरह पता है कि अगर वे साथ नहीं आए, तो वे पक्का अलग-अलग होकर बिखर जाएंगे। मतलब, अगर वे अपना पुराना गठबंधन पुन: बना लेते हैं, तब तो पंजाब के चुनावी समर में उनका वजूद है। अगर नहीं, तो वे कहीं के नहीं रहेंगे। इस बीच दिल्ली में, भाजपा की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता राजधानी के अभूतपूर्व वायु प्रदूषण की आपातकालीन स्थिति से जूझने में हांफती बताई जा रही हैं। उत्तर प्रदेश में, जहां पंजाब के साथ ही चुनाव होने हैं, ‘महंगाई’, या खाने-पीने की चीज़ों की बढ़ती कीमतें (खाद्य पदार्थों की महंगाई साल-दर-साल 7.7 प्रतिशत तक पहुंच गई है, जिसमें प्याज की कीमतें 108 फीसदी, अदरक की 62.9 और लहसुन की 54.6 प्रतिशत बढ़ गई हैं) चर्चा का बड़ा मुद्दा बन रही हैं। भाजपा के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को इस बारे चेताया जा रहा है, और उत्तराखंड के पुष्कर सिंह धामी को भी -यह बिल्कुल साफ है कि अग्निवीर योजना में बदलाव, जोकि थल सेना से 75 प्रतिशत अग्निवीरों की विदाई से एक माह पहले किया गया है, इस पहाड़ी राज्य में चुनाव के मद्देनज़र किया गया है, जो कि कुमाऊं रेजिमेंट का भी घर है।

निश्चित रूप से, पंजाबी, सिख और हिंदू, दोनों ही, अपने-अपने राजनीतिक वर्ग को जगाने में लगे हैं। पंजाब के बीचों-बीच मानसा में हाल ही में एक नशा-विरोधी अभियान कार्यकर्ता की दिनदहाड़े हत्या से उपजे लोगों के गुस्से ने सत्ताधारी आम आदमी पार्टी को भी डरा डाला है - यह ‘बाहरी’ पार्टी पांच साल पहले राज्य को साफ-सुथरा करने का वादा करके सत्ता में आई थी। लेकिन अब आम आदमी पार्टी भी जवाबी वार कर रही है। इसने हाल ही में आम आदमी पार्टी और कांग्रेस दोनों के हर स्तर के विधायकों के खिलाफ केस खोलने में लगी, केंद्र सरकार के अधीनस्थ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को एक नोटिस भेजा है, जिसमें कथित अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया की 736.96 करोड़ रुपये के धन-प्रवर्तन केस में कथित संलिप्तता की जांच की मांग की गई है। ‘आप’ सरकार को पता है कि अगर ईडी ने इस मामले पर संज्ञान ले लिया, तो राधा स्वामी डेरा ब्यास के प्रमुख को यह बात नागवार गुजरेगी, जिसके प्रमुख गुरिंदर सिंह ढिल्लों ने करीब एक साल पहले जेल में बंद मजीठिया से दो बार मुलाकात की थी- और प्रधानमंत्री मोदी के साथ दिल्ली में मनप्रीत बादल की बेटी-कर्ण सिंह के पोते की शादी की पार्टी में वे भी उस शाम मुख्य आकर्षण थे।

तो यहां बड़ा सवाल मजीठिया के जीजा, अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर बादल से यह है, जोकि आने वाले हफ़्तों में अवश्य उठेगा: 2020 में पंजाब के किसानों के ख़िलाफ भाजपा के कृषि क़ानून थोपने के विरोध में गठबंधन छोड़ने के बाद से क्या बदला है?

कांग्रेस को अवश्य यह उम्मीद बंधी है कि वह सत्ताधारियों के प्रति बढ़ते जनाक्रोश का फायदा उठा सकती है। गत सप्ताह की शुरुआत में राहुल गांधी की पंजाब फेरी के बाद, प्रियंका गांधी भी जल्द ही पंजाब आने वाली हैं। लेकिन कांग्रेस के बारे में पंजाबियों की यादें पुरानी हैं - वे यह नहीं भूले हैं कि उन्होंने कैप्टन अमरिंदर सिंह को दो बार सत्ता में इसलिए चुना था कि उन्होंने भी नशे की समस्या को खत्म करने का वादा किया था, भले ही उन्होंने उस समय भी 1984 के सिख नरसंहार में कांग्रेस की भूमिका को पूरी तरह से माफ नहीं किया था, और कैप्टन ने सत्ता में रहते हुए नशे के मुद्दे पर बहुत कम काम किया था।

तो, अमेरिका और भारत जैसे लोकतंत्रों की गाथा का सार यह है कि आप लोगों को हमेशा के लिए दबाकर नहीं रख सकते या उन्हें इतना डरा नहीं सकते कि वे लोकतांत्रिक व्यवस्था में भी किसी ‘माई-बाप’ को खोजने लगें। इसीलिए पूर्व शाही घरानों के अपने शादी समारोहों में जरीदार लिबास पहनने और कलगी लगाने की अप्रासंगिकता पूर्णरूपेण है—हर कोई जानता है कि शक्ति वोट-बक्से से प्रवाहित होती है, और इसका एक आधुनिक मौजूदा स्वरूप है, विशेष सघन पुनरीक्षण। इसीलिए सबकी नज़रें प्रधानमंत्री मोदी पर हैं कि वे आगे क्या करेंगे, सिर्फ पंजाब में ही नहीं, बल्कि फरवरी में विधान सभा चुनाव वाले अन्य सभी राज्यों- उत्तर प्रदेश, मणिपुर, उत्तराखंड और गोवा में भी। अगले कुछ महीनों तक, कुछ और मायने नहीं रखेगा।

लेखिका ‘द ट्रिब्यून’ की प्रधान संपादक हैं।

धान के उत्पादन और निर्यात पर प्रतिकूल असर

पंकज चतुर्वेदी



भारत की मजबूत कृषि बुनियाद, किसानों का अथक परिश्रम और सरकार के पास उपलब्ध विशाल बफर स्टॉक इस बात का पूरा भरोसा दिलाते हैं कि देश किसी भी बड़े खाद्य संकट से निपटने में पूरी तरह सक्षम है।

देश की कृषि व्यवस्था और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर एक बार फिर मौसम की अनिश्चितता और अल नीनो का गंभीर साया मंडराता नजर आ रहा है। कृषि वैज्ञानिकों और मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, इस बार मानसून का कमजोर और असमान रहना खरीफ सीजन के लिए नुकसानदायक साबित हुआ, जिसका असर देश की मुख्य खाद्यान्न फसल यानी धान के रकबे और उसकी कुल पैदावार पर पड़ने की आशंका है। हालांकि, भारत में कृषि मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक पिछले वर्ष 2024-25 में रिकॉर्ड 149.07 से 150.18 मिलियन टन धान का बंपर उत्पादन हुआ था। देश दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक होने के साथ-साथ वर्ष 2012 से सबसे बड़ा निर्यातक भी बना हुआ है, किंतु इस बार की मौसमी परिस्थितियां चिंता का विषय जरूर बन रही हैं।

मौजूदा खरीफ सीजन के दौरान कृषि प्रधान राज्यों में मानसून की बेरुखी और सामान्य से काफी कम बारिश दर्ज किए जाने के कारण धान की रोपाई और कुल रकबे में भारी गिरावट आई है। आंकड़ों के अनुसार देश भर में धान का रकबा पिछले साल के मुकाबले घटकर काफी नीचे आ गया है, जिससे उत्तर प्रदेश के पूर्वी और तराई वाले क्षेत्रों तथा हरियाणा जैसे राज्यों में उत्पादन प्रभावित होने के स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं। इसके अलावा, कटाई के समय बेमौसम बारिश के कारण मंडियों में पहुंचे धान का एक बड़ा हिस्सा भीग गया, जिससे उनमें नमी की मात्रा सामान्य से 20 से 22 प्रतिशत तक बढ़ गई है। नमी अधिक होने के कारण मिल मालिक और खरीदार भी धान की खरीद में गहरी रुचि नहीं दिखा रहे हैं और किसानों को कम दाम देने पर मजबूर कर रहे हैं।

इस स्थिति का प्रभाव स्थानीय बाजारों और खुदरा मूल्यों पर साफ तौर पर दिखाई देने लगा है। फसल अभी पूरी तरह बाजार में उतरी भी नहीं है कि खुदरा बाजारों में चावल की कीमतों में लगभग 10 प्रतिशत तक की तेजी दर्ज की जा चुकी है। देश के कई हिस्सों में सोना मसूरी, पोनी और स्वर्णा जैसी लोकप्रिय किस्मों के दाम 10 से 25 प्रतिशत तक उछल चुके हैं। वहीं प्रीमियम चावल के दाम कुछ दक्षिणी क्षेत्रों में और भी अधिक बढ़े हैं। जानकारों का मानना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और युद्ध जैसे हालातों के चलते जहां एक ओर कई देश अपने घरेलू खाद्य भंडारों को सुरक्षित करने में जुटे हैं, वहीं दूसरी ओर घरेलू स्तर पर मांग बढ़ने से कीमतों पर लगातार दबाव बना हुआ है। हालांकि पूसा के वैज्ञानिकों और कुछ धान विशेषज्ञों का यह भी तर्क है कि देश के पास पर्याप्त बफर स्टॉक मौजूद है और अगेती तथा पिछैती किस्मों का सही संतुलन अंतत: इस नुकसान की भरपाई करने में मददगार साबित हो सकता है।

घरेलू बाजार के साथ-साथ इस मौसमी बदलाव और उत्पादन की अनिश्चितता का असर कृषि निर्यात पर भी पड़ने की पूरी आशंका है। भारत वैश्विक बाजार में बासमती और गैर-बासमती चावल का एक प्रमुख आपूर्तिकर्ता है। वर्ष 2024-25 के दौरान देश ने लगभग 20.19 मिलियन मीट्रिक टन चावल का निर्यात किया था, जिसका कुल मूल्य लगभग 12.47 अरब अमेरिकी डॉलर था।

चालू वर्ष में भी निर्यात को लेकर शुरुआती अनुमान अच्छे थे। सऊदी अरब, बेनिन, इराक, ईरान, गिनी, कोट डी आइवर, संयुक्त अरब अमीरात और टोगो जैसे देश हमारे चावल के प्रमुख खरीदार हैं। लेकिन दूसरी ओर, धान की बढ़ती लागत, फसल की अनिश्चितता और नमीयुक्त फसल के कारण निर्यातकों के मुनाफे पर भारी दबाव बन आया है। निर्यातकों का कहना है कि वैश्विक प्रतिस्पर्धा के बीच भारतीय चावल की कीमतें बनाए रखना और प्रतिस्पर्धी वैश्विक बाजारों में अपनी मजबूत पकड़ बरकरार रखना इस समय एक बड़ी चुनौती बनता जा रहा है।

इन तमाम चुनौतियों के बीच देश का सुरक्षित और केंद्रीय सरकारी भंडार फिलहाल काफी मजबूत स्थिति में है, जो किसी भी आपात स्थिति या खाद्य संकट से निपटने के लिए एक बड़ा सुरक्षा कवच प्रदान करता है। उपभोक्ता मामलों और खाद्य निगम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय खाद्य निगम के पास पर्याप्त मात्रा में चावल का स्टॉक उपलब्ध है, जो सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम बफर स्टॉक के मानकों से कई गुना अधिक है।

अल नीनो और मानसून की अनियमितता ने कृषि क्षेत्र के सामने एक गंभीर चेतावनी पेश कर दी है, जिससे धान के साथ-साथ आगामी रबी सीजन की अन्य फसलों जैसे गेहूं, सरसों और चने की बुआई पर भी आंशिक संकट पैदा हुआ है। कई क्षेत्रों में भूजल स्तर में गिरावट और जलाशयों में पानी की कमी के कारण सिंचाई को लेकर किसानों की चिंताएं बढ़ी हैं।

हालांकि, भारत की मजबूत कृषि बुनियाद, किसानों का अथक परिश्रम और सरकार के पास उपलब्ध विशाल बफर स्टॉक इस बात का पूरा भरोसा दिलाते हैं कि देश किसी भी बड़े खाद्य संकट से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। आवश्यकता इस बात की है कि बदलते मौसम के मिज़ाज को ध्यान में रखते हुए कृषि रणनीतियों में समय रहते बदलाव किए जाएं।

न्यायिक जीत को आर्थिक ताकत में बदलने की चुनौती

के. एस. तोमर



कोर्ट के निर्णय के बाद हिमाचल को मिलने वाली बिजली महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन साबित हो सकती है। सरकार का अनुमान है कि छह रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली बेचने पर राज्य को सालाना लगभग 500 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। ऊंची दरों पर यह राशि 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

हिमाचल प्रदेश ने अपनी जमीन, जल और प्राकृतिक संसाधन देकर देश की बड़ी जलविद्युत परियोजनाओं में योगदान दिया, लेकिन उनके लाभ से लंबे समय तक वंचित रहा। पड़ोसी राज्यों को बिजली मिलती रही, जबकि हिमाचल अपने वैधानिक हिस्से की प्रतीक्षा करता रहा। सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले ने छह दशक पुराने इस विवाद के समाधान का रास्ता खोलते हुए बिजली के अधिकार को समयबद्ध आपूर्ति की व्यवस्था में बदल दिया है।

हिमाचल सरकार का दावा है कि किशाऊ बहुउद्देशीय बांध समझौते पर अपनी सहमति को हरियाणा द्वारा सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल कर बीबीएमबी की बकाया बिजली के हिस्से के निपटारे पर आपत्ति न जताने से जोड़ दिया था। किशाऊ परियोजना से मिलने वाले अतिरिक्त पानी में हरियाणा की रुचि को रणनीतिक आधार बनाकर गतिरोध तोड़ने की कोशिश की गई। हिमाचल सरकार के हस्तक्षेप से समाधान की प्रक्रिया आगे बढ़ी हो सकती है, लेकिन इससे वह अधिकार पैदा नहीं हुआ, जिसे 2011 में ही न्यायिक मान्यता मिल चुकी थी।

पूर्व मुख्यमंत्री, प्रेम कुमार धूमल ने इस मामले में आपत्ति जताते हुए कहा कि हिमाचल के अधिकारों के लिए भाजपा का योगदान 1990 में शांता कुमार सरकार के समय से शुरू हुआ था। वर्ष 1996 में वीरभद्र सिंह सरकार द्वारा सुप्रीम कोर्ट में मुकदमा दायर किए जाने के बाद 1998 में सत्ता में आई उनकी पहली सरकार ने इस मामले की पैरवी को और मजबूत किया। 2007 में दोबारा सत्ता में आने के बाद भाजपा सरकार ने इसे आगे बढ़ाया और 2011 का फैसला उनके कार्यकाल में आया। हालांकि, धूमल कांग्रेस सरकारों के योगदान को भी स्वीकार करते हुए कहते हैं कि इसका असली श्रेय हिमाचल की जनता को मिलना चाहिए।

इस विवाद की जड़ें भाखड़ा-नंगल और ब्यास परियोजनाओं में हैं, जिनकी परिकल्पना अविभाजित पंजाब के समय की गई थी। भाखड़ा बांध के निर्माण से तत्कालीन बिलासपुर रियासत के बड़े भूभाग जलमग्न हुए, जबकि ब्यास परियोजनाओं के कारण कांगड़ा के लोगों को विस्थापन झेलना पड़ा। पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966 के तहत पहाड़ी क्षेत्र हिमाचल प्रदेश में शामिल किए गए। इसके बाद बिजली के हिस्से और देनदारियों को लेकर विवाद खड़ा हुआ। हिमाचल ने अपने क्षेत्रीय और जनसंख्या संबंधी योगदान के आधार पर बीबीएमबी की बिजली में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी का दावा किया। पंजाब और हरियाणा को उनके हिस्से मिलते रहे, जबकि हिमाचल को रियायती दर पर सीमित बिजली आवंटित की जाती रही।

वर्ष 1996 में वीरभद्र सिंह सरकार ने संविधान के अनुच्छेद 131 के तहत सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। 27 सितंबर, 2011 को अदालत ने भाखड़ा-नंगलऔर ब्यास परियोजनाओं से हिमाचल के 7.19 प्रतिशत अधिकार को मान्यता दी। लेकिन बकाया बिजली की गणना और उसकी अदायगी का प्रश्न लंबे समय तक अनसुलझा रहा। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने आखिरकार नकद भुगतान के बजाय बिजली की आपूर्ति के माध्यम से देनदारी का निपटारा किया। वहीं केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण ने संचित बकाया बिजली का आकलन 13,066 मिलियन यूनिट किया। हिमाचल की पूंजीगत लागत की देनदारी 420.77 करोड़ रुपये निर्धारित की गई, जिसमें पंजाब को 249.23 करोड़ और हरियाणा को 171.55 करोड़ रुपये दिए जाने थे। प्रति यूनिट 3.85 रुपये की दर से लगभग 1,093 मिलियन यूनिट बिजली का समायोजन इस देनदारी के विरुद्ध किया गया। इसके बाद हिमाचल का शुद्ध बिजली अधिकार 11,973 मिलियन यूनिट रह गया।

पंजाब और हरियाणा अगले 20 वर्षों तक अक्तूबर से मार्च के बीच बिजली की कमी वाले मौसम में प्रतिवर्ष लगभग 653 मिलियन यूनिट बिजली की आपूर्ति करेंगे। भाखड़ा-नंगल परियोजना के लिए दोनों राज्यों के बीच 58:42 और ब्यास परियोजना के लिए 60:40 का अनुपात निर्धारित किया गया है। हिमाचल को इस बिजली पर लागू बीबीएमबी शुल्क भी देना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने निर्देशों को बाध्यकारी बनाया है। हिमाचल के लिए यह बिजली महत्वपूर्ण आर्थिक संसाधन साबित हो सकती है। सरकार का अनुमान है कि छह रुपये प्रति यूनिट की दर से बिजली बेचने पर राज्य को सालाना लगभग 500 करोड़ रुपये मिल सकते हैं। ऊंची दरों पर यह राशि 1,000 करोड़ रुपये तक पहुंच सकती है।

यह समझना जरूरी है कि 11,973 मिलियन यूनिट बिजली 20 वर्षों में मिलेगी, एकमुश्त नहीं। यदि इसकी औसत कीमत 10 रुपये प्रति यूनिट मानी जाए, तो पूरे 20 वर्षों में इसका सकल मूल्य लगभग 11,973 करोड़ रुपये होगा, न कि हर साल 10 हजार करोड़ रुपये।

यह बिजली राज्य की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने, महंगी बिजली खरीदने की जरूरत घटाने और अतिरिक्त राजस्व अर्जित करने में मदद कर सकती है। नि:संदेह, वर्ष 2027 के विधानसभा चुनाव नजदीक आते ही इस उपलब्धि का श्रेय लेने की राजनीतिक लड़ाई और तेज होगी। लेकिन असली परीक्षा यह होगी कि हिमाचल इस न्यायिक जीत को आर्थिक ताकत में बदल पाता है या नहीं।

लेखक राजनीतिक विश्लेषक हैं।

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाएँ
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544
www.onlytds.com

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करे
Mob.-:
9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें



काली मंदिर में वोरा ने की पूजा-अर्चना

दुर्ग। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक अरुण वोरा ने गोवर्धन पूजा के अवसर पर बरईपारा स्थित काली मंदिर में पूजा अर्चना कर शहरवासियों के सुख समृद्धि की कामना की। इस दौरान राष्ट्रीय पर्व उत्सव समिति द्वारा दशहरा महोत्सव आयोजन के लिए सम्मान स्वरुप एलबम भेट किया गया। समिति के आजीवन अध्यक्ष डॉ. जगदीशचंद्र मिश्रा, आजीवन सरंक्षक मोतीलाल वोरा ने बरईपारा स्थित काली मंदिर प्रांगण को धार्मिक धाम के रुप में विकसित करने की कल्पना की थी इसी के तहत निर्माण कार्य कराए जा रहे है। निर्माण कार्यो की जानकारी काली मंदिर समिति के सचिव नंदू महोबिया ने दी मंदिर प्रांगण में चल रहे है। भगवान ब्राम्हा, विष्णु, महेश, सप्तमऋषि, कालभैरव, गौमाता, संतोषी माता, बम्लेश्वरी माता, हनुमान जी, सत्य सांई बाबा, विश्वकर्मा भगवान, रामदरबार, सरस्वती माता प्रतिमा के छत गुम्मद निर्माण हो चुका है। इस दौरान समिति सचिव नंदू महोबिया, सुनील महोबिया, हरीश ताम्रकार, सुमन महोबिया, राजकुमार वर्मा, सूरज महोबिया, ऋषि साहू, मुकेश महोबिया, संतोष निर्मलकर, सुधीर चंदेल, लक्ष्मीनाथ कसार सहित मोहल्लेवासी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

कर्मचारियों और परिवारों को सुरक्षा के टिप्स दिए

भिलाई। बीएसपी का बार एवं रॉड मिल बीआरएम कार्यस्थल पर सुरक्षा को केवल नियमों और प्रक्रियाओं के पालन तक सीमित न रखकर इसे कार्यसंस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। इसके लिए विभाग में संवाद, प्रशिक्षण, प्रतियोगिताओं, पारिवारिक सहभागिता और डिजिटल माध्यमों के जरिए सुरक्षा जागरुकता को प्रभावी एवं सहभागितापूर्ण बनाया जा रहा है। इन पहलों का उद्देश्य कर्मचारियों में जोखिमों की पहचान, सुरक्षित कार्य व्यवहार और सहकर्मियों की सुरक्षा के प्रति जिम्मेदारी विकसित करना है। प्राप्त सुझावों को सम्मान और गोपनीयता के साथ संकलित किया। संवाद के अंत में कर्मचारियों को परिवार के साथ तस्वीर और सुरक्षा प्रतिज्ञा वाला स्मृति-चिह्न भी भेंट किया। इस तरह सुरक्षा की जिम्मेदारी को परिवार के भावनात्मक जुड़ाव से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

स्काउट्स-गाइड्स का स्थापना दिवस मनाया

भिलाई। भारत स्काउट्स एंड गाइड्स ने अपना 77वां स्थापना दिवस मनाया। संगठन ने 1950 से चली आ रही अपनी विरासत को याद करते हुए सेवा और राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्धता को इस अवसर का केंद्रीय संदेश बताया। कार्यक्रम में कहा गया कि स्काउट्स और गाइड्स की पीढ़ियों ने चरित्र निर्माण, नेतृत्व विकास, सामुदायिक सेवा और राष्ट्र-निर्माण में निरंतर योगदान दिया है।

पीस ऑडिटोरियम में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया दीपावली महापर्व

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के पीस ऑडिटोरियम में दीपावली महापर्व हर्षोल्लास, उमंग उल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर भिलाई सेवा केंद्रों की निदेशिका राजयोगिनी ब्रह्माकुमारी आशा दीदी जी एवं सभी ब्रह्माकुमारी बहनों ने दीपो के पर्व को दीपक जलाकर उत्साह के साथ मनाया।

उन्होंने दीपावली के आध्यात्मिक रहस्य पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि यह केवल बाहरी दीपक जलाने का पर्व नहीं है, बल्कि स्वयं की आत्मज्योति को जागृत कर संपूर्ण विश्व को ज्ञान और शांति के प्रकाश से प्रकाशित करने का पावन अवसर है। जिस प्रकार अनेक दीपक मिलकर दीपमाला बनाते हैं, उसी प्रकार प्रत्येक आत्मा अपने दिव्य गुणों और श्रेष्ठ कर्मों से विश्व में सुख, शांति का प्रकाश फैला सकती है।



अवगुण त्याग कर श्रेष्ठ संस्कारों को करें ग्रहण

आपने बताया कि सच्ची दीपावली मनाने का अर्थ अपने पुराने संस्कारों, कमजोरियों, व्यर्थ संकल्पों एवं अवगुणों का खाता समाप्त कर नवीन श्रेष्ठ संस्कारों को धारण करना बताया गया। पुराने संस्कारों एवं कमजोरियों को समाप्त करना, नवीन श्रेष्ठ संस्कार धारण करना,अपने ज्ञान एवं अनुभव से अन्य आत्माओं की सेवा करना,सदा जागती ज्योति बनकर विश्व को प्रकाशित करना इन पांच संकल्प को सभी किए। कार्यक्रम के अंत में डिवाईन ग्रुप के बच्चों ने सुंदर सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी को दीपावली की शुभकामनाएं प्रेषित कीं, जिनकी मनमोहक प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को आनंद और आध्यात्मिक उमंग से भर दिया।

नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में बीएसपी के कर्मचारियों का शानदार प्रदर्शन, जीते सात पुरस्कार

■ **कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री द्वारा आयोजित किया गया कार्यक्रम**

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सात कर्मचारियों ने कॉन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री द्वारा नई दिल्ली में आयोजित 36वीं नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए तीन प्रथम, तीन द्वितीय एवं एक तृतीय पुरस्कार प्राप्त कर संयंत्र को गौरवान्वित किया है। इस उल्लेखनीय उपलब्धि के उपलक्ष्य में डीआईसी कॉन्फ्रेंस हॉल में आयोजित सम्मान समारोह में भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी चित्त रंजन महापात्र ने सभी विजेता कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर निदेशक प्रभारी एवं संयंत्र के सभी कार्यपालक निदेशकगण ने विजेता कर्मचारियों को उनकी शानदार सफलता पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कर्मचारियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह उपलब्धि उनकी तकनीकी दक्षता, कठिन परिश्रम, समर्पण एवं निरंतर सीखने की ललक का परिणाम है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इन कर्मचारियों की सफलता संयंत्र के अन्य कार्मिकों को भी अपने कौशल को निखारने तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करेगी। समारोह में वरिष्ठ अधिकारीगण एवं संबंधित विभागों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता में कारपेंट्री विधा में एमआरडी विभाग के राम साजन, इलेक्ट्रीशियन विधा में ब्लास्ट फर्नेस विभाग के अखिल कुमार राठौर तथा फिटर विधा में पीएनबीएस के राजेश कुमार नायक ने प्रथम पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं, फिटर विधा में कोक ओवन विभाग के प्रभुचरण जेना, पीएलसी विधा में एएंडडी विभाग के बी वेंकट अप्पाराव तथा टर्नर विधा में बार एंड रॉड मिल के माझा हांसदा ने द्वितीय पुरस्कार हासिल किया। पीएलसी विधा में ए एंड डी विभाग के कुंद्रापु गणेश ने तृतीय पुरस्कार प्राप्त किया।

इस सफलता में मानव संसाधन विकास विभाग के लर्निंग एंड डेवलपमेंट (एचआर-एलएंडडी) विभाग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विभाग द्वारा प्रतिभागियों की तैयारी के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम, नियमित अभ्यास सत्र एवं तकनीकी कौशल विकास गतिविधियां आयोजित की गईं। इस दौरान संयंत्र के अनुभवी विशेषज्ञों एवं प्रशिक्षकों का मार्गदर्शन भी प्रतिभागियों को प्राप्त हुआ।

उल्लेखनीय है कि सभी प्रतिभागियों ने क्षेत्रीय स्तर की प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर नेशनल वर्क स्किल्स कॉम्पिटिशन में भिलाई इस्पात संयंत्र का प्रतिनिधित्व किया। बीएसपी वर्ष 2008 से क्षेत्रीय एवं राष्ट्रीय कार्य कौशल प्रतियोगिताओं में निरंतर भागीदारी कर रहा है। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से कर्मचारियों को अपनी तकनीकी दक्षता प्रदर्शित करने तथा राष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल का मूल्यांकन कराने का अवसर प्राप्त होता है। यह उपलब्धि विजेता कर्मचारियों की मेहनत, तकनीकी दक्षता एवं समर्पण के साथ-साथ भिलाई इस्पात संयंत्र में कौशल विकास, प्रशिक्षण एवं कार्य उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों को भी रेखांकित करती है।

सुपेला चौक में बस स्टैंड व ऑटो स्टॉप की मांग को लेकर एसएसपी को ज्ञापन



श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। जनहित संघर्ष समिति के संरक्षक श्री कन्हैया सोनी के नेतृत्व में आज प्रतिनिधिमंडल ने माननीय वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल को ज्ञापन सौंपकर सुपेला चौक में बस स्टैंड एवं ऑटो स्टैंड बनाने की मांग की।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय ने ज्ञापन पर तत्काल कार्रवाई करते हुए सुबह स्थल का मुआयना करवा कर आगे की कार्य योजना तैयार करने का आश्वासन दिया। संयोजक शारदा गुप्ता जी* ने बताया कि सुपेला चौक में रायपुर की ओर जाने वाले यात्रियों के लिए व्यवस्थित बस स्टैंड एवं ऑटो स्टॉप बनाया जाए। सुपेला चौक भिलाई का सबसे व्यस्त चौक है । रायपुर की ओर जाने के लिए कोई निर्धारित स्टॉप नहीं होने से यात्रियों को भारी परेशानी होती है । बसें और ऑटो बेतरतीब खड़े होने से आए दिन जाम और दुर्घटना की स्थिति बनती है।

यदि व्यवस्थित बस स्टैंड और ऑटो स्टॉप बना दिया जाए तो यात्रियों को सुविधा होगी और ट्रैफिक व्यवस्था भी सुधरेगी । इस अवसर पर कन्हैया सोनी, शारदा गुप्ता, निशु पांडे, सुभाष शर्मा, सुनील मौर्य, विनोद उपाध्याय सहित प्रमुख साथीगण उपस्थित रहे।

ब्लास्ट फर्नेस में सुरक्षित एवं उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए ठेका श्रमिक सम्मानित

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ब्लास्ट फर्नेस विभाग में लीकेज के मरम्मत कार्य को सुरक्षित एवं सफलतापूर्वक पूरा करने वाले ठेका श्रमिकों को सम्मानित करने के लिए सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) विवेक वर्मा एवं महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस)केएसएनआर रमेश ने ब्लास्ट फर्नेस में डिमिस्टर के निचले कोन में आई लीकेज की मरम्मत कार्य को पूरा करने के लिए मिथिलेश यादव, राजेश, जगदीश, गुरु प्रकाश, यद्राम एव विनोद कुमार यादव को सम्मानित किया गया।

मुख्य महाप्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस) विवेक वर्मा ने सभी श्रमिकों के कार्य की सराहना करते हुए सुरक्षित कार्य निष्पादन, तकनीकी दक्षता एवं उत्कृष्ट कार्य गुणवत्ता की प्रशंसा की। उन्होंने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए कार्य को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए पूरी टीम की सराहना की।

उल्लेखनीय है कि डिमिस्टर के निचले कोन में लीकेज की समस्या सामने आने पर निरीक्षण के दौरान शेल प्लेट में एक छोटा छेद एवं मामूली दरार पाई गई। कोन की तिरछी बनावट के कारण फर्नेस के चालू रहते वेल्डिंग अथवा अन्य मरम्मत कार्य करना संभव नहीं था। ऐसी स्थिति में कार्य करना सुरक्षा की दृष्टि से भी जोखिमपूर्ण था। इस चुनौती को ध्यान में रखते हुए मरम्मत कार्य से पहले डिमिस्टर लाइन का प्रेशर घटाकर लगभग 0.2 बार किया गया, ताकि कार्य सुरक्षित परिस्थितियों में किया जा सके।

इसके बाद टीम ने क्लैम्पिंग के माध्यम से लीकेज को दूर करने का कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया। मरम्मत कार्य के उपरांत सिस्टम को पुन: चालू किया गया और उसका प्रेशर 2.2 किलोग्राम प्रति वर्ग सेंटीमीटर तक बहाल किया गया। उत्कृष्ट कार्यकुशलता एवं सावधानी का परिचय देते हुए टीम ने मरम्मत कार्य को सहायक प्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस)ऋषभ शिंदे एवं उप प्रबंधक (ब्लास्ट फर्नेस, मैकेनिकल मेंटेनेंस) शिवम गोयल की देखरेख में सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

विधिक सेवा दिवस पर जागरूकता अभियान, जन-जन तक न्याय का संदेश पहुंचाने डीएलएसए दुर्ग की विशेष पहल

■ **दुर्ग जिले में सप्ताह भर होंगे विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं साक्षरता शिविर**

श्रीकंचनपथ न्यूज



दुर्ग। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण, नई दिल्ली तथा छत्तीसगढ़ राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, बिलासपुर के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा दिनांक 09 नवंबर 2026 को मनाए जाने वाले विधिक सेवा दिवस के अवसर पर पूरे सप्ताह जिलेभर में व्यापक स्तर पर विधिक जागरूकता कार्यक्रम एवं विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इस अभियान के अंतर्गत दुर्ग जिले के दुर्ग, पाटन, भिलाई-3 एवं धमधा सहित विभिन्न क्षेत्रों में अधिक से अधिक ग्रामों, शहरी बस्तियों, विद्यालयों, सार्वजनिक स्थलों एवं अन्य महत्वपूर्ण स्थानों पर पहुंचकर कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूक किया जा रहा है।

इन कार्यक्रमों का आयोजन प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के अध्यक्ष श्री के. विनोद कुजूर के मार्गदर्शन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग के सचिव उमेश कुमार भागवतकर के समन्वय से किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिले के पैरा लीगल वॉलंटियर्स (क्क्क्क्) सक्रिय रूप से सहभागिता निभाते हुए विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचकर आम नागरिकों को विधिक जानकारी प्रदान कर रहे हैं तथा उन्हें नि:शुल्क विधिक सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक कर रहे हैं।

विधिक सेवा दिवस मनाने का प्रमुख उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग तक न्याय की पहुंच सुनिश्चित करना, आर्थिक एवं सामाजिक रूप से कमजोर, वंचित तथा जरूरतमंद व्यक्तियों को नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक करना और आम नागरिकों में न्यायिक व्यवस्था के प्रति विश्वास को मजबूत बनाना है। आयोजित विधिक जागरूकता कार्यक्रमों एवं शिविरों में नागरिकों को नि:शुल्क विधिक सहायता, राष्ट्रीय एवं राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, लोक अदालत, मध्यस्थता, पीड़ित प्रतिकर योजना, महिलाओं एवं बच्चों के अधिकारों, वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों, बाल विवाह निषेध, घरेलू हिंसा से संरक्षण, श्रमिकों के अधिकारों तथा साइबर अपराधों से बचाव जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी प्रदान की जा रही है। साथ ही आम नागरिकों को उनके कानूनी अधिकारों, उपलब्ध कानूनी उपचारों एवं संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए उचित विधिक मंच की जानकारी भी दी जा रही है।

जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, दुर्ग द्वारा आयोजित इस सप्ताहव्यापी अभियान का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि जिले का कोई भी नागरिक जानकारी के अभाव में अपने विधिक अधिकारों एवं न्याय प्राप्त करने के अवसरों से वंचित न रहे। इसके लिए पैरा लीगल वॉलंटियर्स द्वारा निरंतर जनसंपर्क एवं जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही हैं, ताकि विधिक सहायता एवं न्याय की अवधारणा समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंच सके।

दीपावली पर शपथ फाउंडेशन की अनूठी पहल : दो महिलाओं को भेंट की सिलाई मशीन

श्रीकंचनपथ न्यूज



भिलाई। दीपावली का पर्व खुशियां बांटने और दूसरों के जीवन में रोशनी लाने का संदेश देता है। इसी भावना को आत्मसात करते हुए शपथ फाउंडेशन द्वारा दीपावली के अगले दिन दो जरूरतमंद महिलाओं को सिलाई मशीन प्रदान की गई। संस्था का उद्देश्य इन महिलाओं को केवल आर्थिक सहायता देना नहीं, बल्कि उन्हें स्वावलंबी बनाकर अपनी आजीविका स्वयं अर्जित करने का अवसर प्रदान करना है।

इस पहल के अंतर्गत शंकरपारा, दुर्ग निवासी श्रीमती सुमिन लता बंजारे एवं कृष्णा नगर निवासी श्रीमती ममता फाये को सिलाई मशीन भेंट की गई। संस्था की मंशा है कि दोनों महिलाएं सिलाई कार्य के माध्यम से अपने घर से ही रोजगार शुरू कर सकें, अपनी रोजमर्रा की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए आय का एक साधन विकसित कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें। सिलाई मशीन उनके लिए केवल एक उपकरण नहीं, बल्कि आत्मसम्मान, स्वावलंबन और एक नई शुरुआत का माध्यम बनेगी।

उल्लेखनीय है कि शपथ फाउंडेशन विगत दस वर्षों से समाजसेवा के क्षेत्र में निरंतर सक्रिय है। संस्था विशेष रूप से दिव्यांगजनों, जरूरतमंदों और समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों की सहायता के लिए कार्य करती आ रही है। दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल उपलब्ध कराना संस्था के प्रमुख सेवा कार्यों में शामिल है। संस्था का मानना है कि किसी व्यक्ति को केवल तात्कालिक सहायता देना पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसे आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में अवसर उपलब्ध कराना अधिक महत्वपूर्ण है। इसी सोच के साथ संस्था समय-समय पर जरूरतमंदों को उनकी आजीविका से जोड़ने के लिए भी प्रयास करती रहती है।

शपथ फाउंडेशन का विश्वास है कि समाज में वास्तविक बदलाव तभी आएगा, जब जरूरतमंद व्यक्ति को अपने जीवन को बेहतर बनाने का अवसर मिलेगा। दीपावली के अगले दिन किया गया यह प्रयास भी इसी विचार का प्रतीक है कि त्योहारों की खुशियां केवल मनाने तक सीमित न रहें, बल्कि किसी के जीवन में नई उम्मीद और आत्मनिर्भरता की रोशनी भी लेकर आएं। शपथ फाउंडेशन का संकल्प है कि सेवा केवल सहायता तक सीमित न रहे, बल्कि हर जरूरतमंद को सम्मानपूर्वक और आत्मनिर्भर जीवन जीने का अवसर मिले।

100 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल प्रदान करने की उपलब्धि

संस्था अपने सेवा कार्यों के दसवें वर्ष में प्रवेश कर चुकी है और अब तक 100 दिव्यांगजनों को ट्राइसाइकिल प्रदान करने की महत्वपूर्ण उपलब्धि भी हासिल कर चुकी है। दिव्यांगजनों को गतिशीलता और आजीविका में सहयोग देने के साथ-साथ महिलाओं को रोजगार के साधन उपलब्ध कराना संस्था के इसी व्यापक सेवा संकल्प का हिस्सा है। कार्यक्रम में एफ्एसएनएल के महाप्रबंधक पंकज त्यागी अपनी धर्मपत्नी के साथ उपस्थित रहे। संस्था के मार्गदर्शक एवं संरक्षक, पूर्व सीएसपी वीरेंद्र सतपथी, साडा के पूर्व उपाध्यक्ष बृजमोहन सिंह, इरफान खान जी की भी विशेष उपस्थिति रही। इस अवसर पर शपथ फाउंडेशन के अध्यक्ष अशोक गुप्ता सहित अमिताभ भट्टाचार्य, विकास जायसवाल, अशोक साहू आदि उपस्थित रहे।

Since 1972
CROWN®-TV
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size
CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास खबर



राज्यपाल ने गोवर्धन पूजा पर की प्रदेश की मंगल कामना

रायपुर। राज्यपाल रमेन डेका ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर राजधानी रायपुर के सदर बाजार स्थित प्रसिद्ध श्री बांके बिहारी मंदिर पहुंचकर भगवान श्री बांके बिहारी जी के दर्शन किए और विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर राज्य की प्रथम महिला श्रीमती रानी डेका काकोटी भी विशेष रूप से उपस्थित रहीं। पूजा-अर्चना के दौरान राज्यपाल श्री डेका ने भगवान श्री बांके बिहारी जी से पूरे प्रदेश की जनता की सुख-समृद्धि, शांति और खुशहाली के लिए प्रार्थना की। इस पावन पर्व पर राज्यपाल ने समस्त प्रदेशवासियों को गोवर्धन पूजा की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह पर्व सभी के जीवन में नई ऊर्जा, उमंग, सुख, शांति और समृद्धि लेकर आएं।

12 नवंबर को निर्यातकों के लिए एफटीए कार्यशाला का आयोजन

रायपुर। भारत सरकार के वाणिज्य विभाग द्वारा तथा छत्तीसगढ़ शासन के उद्योग विभाग के सहयोग से दिनांक 12 नवंबर, 2026 को प्रात: 10:30 बजे से होटल बेबीलोन इंटरनेशनल, वीआईपी रोड, रायपुर में मुक्त व्यापार समझौतों का लाभ उठाने के विषय पर एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ के वर्तमान एवं संभावित निर्यातकों को भारत के विभिन्न मुक्त व्यापार समझौतों के अंतर्गत उपलब्ध व्यापारिक अवसरों से अवगत कराना तथा उन्हें अंतरराष्ट्रीय बाजारों में अपनी निर्यात संभावनाओं का विस्तार करने हेतु प्रोत्साहित करना है। इसका उद्देश्य यूनाइटेड किंगडम, ओमान, न्यूजीलैंड, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया जैसे उभरते व्यापारिक अवसरों की जानकारी प्रदान करना है।

जशपुर-हाई इम्पैक्ट मेगा वाटरशेड परियोजना से महिला किसानों को मिली नई सौगात, गेंदे से अच्छी कमाई

श्रीकंचनपथ समाचार

जशपुरनगर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जशपुर जिले में किसानों को खेती के नए एवं लाभकारी विकल्पों से जोड़ने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में हाई इम्पैक्ट मेगा वाटरशेड परियोजना के अंतर्गत दुलदुला क्षेत्र की महिला किसानों ने पहली बार गेंदा फूल की व्यावसायिक खेती शुरू कर सफलता की नई राह खोली है। हाई इम्पैक्ट मेगा वाटरशेड परियोजना के तहत जिला प्रशासन के सहयोग एवं सीएसओ हर्षा ट्रस्ट के सहयोग से जनपद पंचायत दुलदुला क्षेत्र में महिला किसानों को आजीविका संवर्धन से जोड़ने के लिए यह अभिनव पहल की गई है।



इसके माध्यम से महिला किसानों को पारंपरिक खेती के साथ-साथ वैकल्पिक एवं लाभकारी कृषि गतिविधियों के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है।

दीपावली पर्व के अवसर पर 5 नवंबर 2026 को महिला किसानों द्वारा उत्पादित गेंदा फूलों की पहली तुड़ाई की गई। इसके बाद फूलों को बिक्री के लिए कोरबा भेजा गया, जहां महिला किसानों को 8 हजार रुपये की आय प्राप्त हुई। दुलदुला क्षेत्र में पहली बार व्यावसायिक स्तर पर गेंदा फूल का उत्पादन एवं विपणन महिला किसानों के लिए उत्साहजनक उपलब्धि साबित हुआ है।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण महिलाओं को आजीविका के नए साधनों से जोड़ना, उनकी आय में वृद्धि करना तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार के अवसर विकसित करना है।

मनेन्द्रगढ़ में नर्सिंग कालेज बनने से अंचल के युवाओं की राह होगी आसान : जायसवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर। मनेंद्रगढ़ बस स्टैंड के सामने स्थित भूपेन्द्र क्लब परिसर में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग तथा छत्तीसगढ़ मेडिकल सर्विसेस कॉर्पोरेशन लिमिटेड के तत्वावधान में प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज भवन का विधिवत शिलान्यास किया गया। प्रदेश के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने मुख्य अतिथि के रूप में भारत माता एवं छत्तीसगढ़ महतारी के समक्ष दीप प्रज्वलित कर पूजा-अर्चना की और शिलान्यास कर निर्माण कार्य का शुभारंभ किया।

इस महत्वाकांक्षी परियोजना पर 868.35 लाख रुपये यानी लगभग 8 करोड़ 68 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे। प्रस्तावित नर्सिंग कॉलेज का भवन जी+2 अर्थात भूतल सहित तीन मंजिला होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने निर्माण कार्य को एक वर्ष के भीतर पूर्ण करने के निर्देश भी दिए।

नर्सिंग कॉलेज की स्थापना जिले के विद्यार्थियों के लिए किसी बड़ी सौगात से कम नहीं है। अब मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर सहित आसपास के क्षेत्रों के विद्यार्थियों को नर्सिंग की पढ़ाई के लिए दूसरे जिलों और राज्यों का रुख करने की मजबूरी कम होगी। उन्हें अपने ही जिले में व्यावसायिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा।

इस संस्थान के शुरू होने से न केवल युवाओं के लिए शिक्षा के नए द्वार खुलेंगे, बल्कि भविष्य में प्रशिक्षित नर्सिंग कर्मियों की उपलब्धता बढ़ने से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को भी मजबूती मिलेगी। इससे स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाएं भी विकसित होंगी।

मुख्य कार्यपालन अधिकारी सीएमसी ने अपने संबोधन में बताया कि 868.35 लाख रुपये की लागत से बनने वाला नर्सिंग कॉलेज जी+2 संरचना वाला तीन मंजिला भवन होगा। उन्होंने बताया कि नर्सिंग कॉलेज में चार वर्षीय पाठ्यक्रम की पढ़ाई का प्रावधान है। इस महत्वपूर्ण संस्थान की स्थापना में स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल का विशेष योगदान रहा है।



स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में जिले में प्रस्तावित और प्रगतिरत विकास कार्यों की जानकारी देते हुए बताया कि आने वाले समय में क्षेत्र को कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं की सौगात मिलने वाली है। इनमें चैनपुर से साजा पहाड़ तक सड़क निर्माण, नागपुर-चिरमिरी रेलवे लाइन, मेडिकल कॉलेज से चिरमिरी सड़क निर्माण, मेडिकल कॉलेज से पाराडोल रेलवे स्टेशन तक सड़क, सिद्ध बाबा मंदिर पहुंच मार्ग का भूमिपूजन तथा नालंदा लाइब्रेरी का भूमिपूजन शामिल हैं।

उन्होंने खड़गवां में कृषि महाविद्यालय, चिरमिरी में हॉर्टिकल्चर कॉलेज तथा महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि जिले में शिक्षा, स्वास्थ्य, आवागमन और रोजगार के क्षेत्र में लगातार विकास हो।

मेडिकल कॉलेज और नर्सिंग कॉलेज से बदलेगी जिले की तस्वीर : जायसवाल

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि मनेंद्रगढ़ के लिए आज का दिन ऐतिहासिक और गौरवपूर्ण है। इस बड़ी सौगात का श्रेय उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और प्रयासों को दिया। उन्होंने कहा कि नर्सिंग कॉलेज जिले के बच्चों के भविष्य को संवारने और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा।

धान के लिए परेशान होने की जरूरत नहीं, उन्नति योजना से मिलेगी अंतर की राशि

कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने धान खरीदी और कृषक उन्नति योजना को लेकर भी किसानों को महत्वपूर्ण जानकारी दी। उन्होंने कहा कि किसान अपनी वास्तविक उपज के अनुसार ही धान बेचें और निर्धारित 21 क्विंटल प्रति एकड़ की सीमा को पूरा करने के लिए बाहर से धान जुटाने की परेशानी न उठाएं। उन्होंने उदाहरण देते हुए बताया कि यदि किसी किसान के पास 10 एकड़ जमीन है और उसके पास 210 क्विंटल धान की उपज नहीं हुई है, तो उसे शेष धान की व्यवस्था के लिए इधर-उधर भटकने की आवश्यकता नहीं है। किसान के पास जितना धान है, वह उतना ही सोसायटी में बेचे। शेष राशि की सहायता सरकार कृषक उन्नति योजना के माध्यम से प्रदान करेगी। मंत्री ने बताया कि धान का समर्थन मूल्य 2441 रुपये प्रति क्विंटल और 3100 रुपये के अंतर की राशि 659 रुपये प्रति क्विंटल के हिसाब से किसानों को कृषक उन्नति योजना के तहत सहायता दी जाएगी।

बगिया बैराज परियोजना से जशपुर के तेरह गांवों में आएगी खुशहाली



श्रीकंचनपथ समाचार

बगिया। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज जशपुर जिले के बगिया स्थित कैम्प कार्यालय में क्षेत्र के किसानों को बड़ी सौगात देते हुए 79 करोड़ 38 लाख 78 हजार रुपए की लागत से बनने वाली बगिया बैराज सह दाबयुक्त उद्वहन सिंचाई परियोजना के निर्माण कार्यों का भूमिपूजन किया। इस महत्वाकांक्षी परियोजना से क्षेत्र के 13 गांवों के 3,921 से अधिक किसानों को सीधा लाभ मिलेगा तथा 8,454 हेक्टेयर कृषि भूमि में सिंचाई की सुविधा उपलब्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर कहा कि खेती-किसानी छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था का आधार है और किसानों की समृद्धि हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि पर्याप्त सिंचाई सुविधा के अभाव में किसानों को कई बार मौसम और वर्षा पर निर्भर रहना पड़ता है। बगिया बैराज परियोजना के पूर्ण होने से क्षेत्र के किसानों की यह चिंता काफी हद तक दूर होगी। उन्हें खरीफ के साथ रबी की फसल के लिए भी सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सकेगा। इससे किसान वर्ष में एक से अधिक फसल लेकर अपनी आमदनी बढ़ा सकेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने बताया कि इस परियोजना की विशेषता इसका आधुनिक तकनीक आधारित संचालन है। सिंचाई व्यवस्था को मोबाइल माध्यम से संचालित किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में इस प्रकार की आधुनिक तकनीक पर आधारित यह पहली परियोजना है। इससे जल प्रबंधन को अधिक सुविधाजनक और प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बैराज के निर्माण से वर्षभर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बढ़ेगा। किसानों को समय पर सिंचाई के लिए पानी मिलने से कृषि उत्पादन बढ़ेगा और खेती में नई संभावनाएं विकसित होंगी।

गुरू का आशीर्वाद ही जनसेवा की सबसे बड़ी ताकत : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायगढ़। दीपावली पर्व के दूसरे दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय अपनी धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ रायगढ़ जिले के लैलूंगा विकासखंड के ग्राम भुईयांपानी पहुंचे। यहां उन्होंने गुरुधाम में आयोजित दीप महोत्सव में शामिल होकर अपने आराध्य गुरुदेव स्वामी धनपती पंडा जी एवं श्रीमती प्रेमशीला पंडा की प्रतिमाओं के समक्ष नमन किया तथा गुरु गद्दी के दर्शन कर आशीर्वाद लिया। उन्होंने प्रदेशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि की कामना करते हुए शिव मंदिर में जलाभिषेक किया तथा हनुमान मंदिर, वटवृक्ष और मां दुर्गा मंदिर में पूजा-अर्चना की।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि दीपोत्सव का यह पावन पर्व हर घर में उजियारा और हर जीवन में सुख, समृद्धि, शांति एवं प्रेम का प्रकाश फैलाए। गुरुदेव का आशीर्वाद सदैव हम सब पर बना रहे।

मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय का अपने गुरु स्वामी धनपती पंडा जी के प्रति गहरा आध्यात्मिक एवं भावनात्मक जुड़ाव रहा है। महज दस वर्ष की आयु से ही वे गुरुदेव के अनुयायी हैं। जीवन के महत्वपूर्ण अवसरों और निर्णयों से पहले गुरु का आशीर्वाद लेना उनकी परंपरा रही है। मुख्यमंत्री बनने के बाद भी वे इस पवित्र गुरु-शिष्य परंपरा का पूरी निष्ठा और श्रद्धा के साथ निर्वहन कर रहे हैं।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि गुरुदेव के सान्निध्य ने उन्हें सेवा, सादगी और समर्पण का मार्ग सिखाया है। उनके संस्कारों और आशीर्वाद से ही वे जनसेवा के पथ पर आगे बढ़ पाए हैं। गुरुदेव ने सिखाया है कि माता-पिता ही हमारे सबसे बड़े गुरु होते हैं। उनकी सेवा और सम्मान से ही जीवन में सच्चा आनंद एवं पूर्णता प्राप्त होती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारा मूल उद्देश्य प्रदेश के प्रत्येक नागरिक के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना और शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। हमारी सरकार को लगभग तीन वर्ष होने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी की हर गारंटी को पूरा करने के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सरकार गरीब, किसान, महिला, युवा और आदिवासी समाज के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से गरीब परिवारों का पक्के मकान का सपना साकार हो रहा है। हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र परिवार पक्के आवास से वंचित न रहे। नक्सलवाद से मुक्त छत्तीसगढ़ अब शांति, विश्वास और विकास के नए युग की ओर आगे बढ़ रहा है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से प्रदेश की महिलाओं को प्रतिमाह एक हजार रुपये की आर्थिक सहायता दी जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि भूमिहीन कृषि मजदूर सहायता योजना, श्रीरामलला दर्शन योजना एवं मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना जैसी अनेक जनहितकारी योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। इन योजनाओं के माध्यम से जरूरतमंद परिवारों को आर्थिक संबल देने के साथ श्रद्धालुओं को अयोध्या धाम सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों की यात्रा का अवसर भी मिल रहा है। महिलाओं को स्व-सहायता समूहों के माध्यम से रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़कर आत्मनिर्भर बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से घरों की छतों पर रूफटॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। इससे बिजली बिल में बचत के साथ स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा मिलेगा और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में प्रदेश आगे बढ़ेगा।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि शासन और प्रशासन को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाने के लिए ई-गवर्नेंस प्रणाली को बढ़ावा दिया जा रहा है तथा भ्रष्टाचार के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के माध्यम से नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जा रहा है। वहीं सेवा सेतु पोर्टल के जरिए शासकीय सेवाएं एक ही ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इससे आम नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन करने में सहूलियत मिल रही है और प्रशासनिक सेवाएं अधिक सरल, पारदर्शी एवं जनसुलभ बन रही हैं।

बिहान योजना से विनीता हुई आत्मनिर्भर, लखपति दीदियों में हुईं शुमार

श्रीकंचनपथ समाचार

अम्बिकापुर। ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने के लिए मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन द्वारा संचालित राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला रहा है। योजना के माध्यम से स्व-सहायता समूहों से जुड़ी महिलाएं आर्थिक सहायता प्राप्त कर विभिन्न आजीविका गतिविधियों का संचालन कर रही हैं।

इससे न केवल उनकी आय के साधन बढ़ रहे हैं, बल्कि परिवार की आर्थिक स्थिति में भी सुधार हो रहा है। सरगुजा जिले के आकांक्षी विकासखंड लखनपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत मुटकी की श्रीमती विनीता सिंह ने भी बिहान योजना से जुड़कर स्वरोजगार की दिशा में कदम बढ़ाया और आज लखपति दीदी बनकर आत्मनिर्भरता की मिसाल पेश कर रही हैं।

शक्ति महिला स्व-सहायता समूह से जुड़ी श्रीमती विनीता सिंह बताती हैं कि पहले उनके परिवार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। आय के पर्याप्त साधन नहीं होने के कारण परिवार की आवश्यकताओं को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था। ऐसे समय में बिहान योजना से जुड़ने के बाद उन्हें स्वरोजगार शुरू करने का अवसर मिला। समूह के माध्यम से उन्होंने पहली बार 15 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया और गांव में एक छोटी दुकान शुरू की। दुकान संचालन से उन्हें आय का साधन मिला और परिवार की आर्थिक स्थिति में धीरे-धीरे सुधार आने लगा।



50 हजार रुपये के ऋण से बढ़ाया व्यवसाय, बकरी पालन से बढ़ी आय

श्रीमती विनीता सिंह ने बताया कि दुकान संचालन से मिले अनुभव और समूह के सहयोग ने उन्हें व्यवसाय का विस्तार करने के लिए प्रेरित किया। इसके बाद उन्होंने समूह से 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त किया। इस राशि का उपयोग दुकान में सामान बढ़ाने और व्यवसाय को आगे बढ़ाने में किया। साथ ही उन्होंने बकरी पालन का कार्य भी शुरू किया। इससे उनकी आजीविका के साधनों में वृद्धि हुई और परिवार को अतिरिक्त आर्थिक संबल मिला। उन्होंने अपनी मेहनत और समूह से मिले सहयोग के माध्यम से स्वरोजगार गतिविधियों को निरंतर आगे बढ़ाया।

सिंचाई साधन से मिली सुविधा, सब्जी की खेती को बनाया आजीविका का आधार

विनीता सिंह ने अपनी आर्थिक स्थिति को और बेहतर बनाने के लिए कृषि गतिविधियों की ओर भी कदम बढ़ाया। उन्होंने बताया कि पानी की पर्याप्त सुविधा नहीं होने के कारण खेती एवं घरेलू आवश्यकताओं में परेशानी होती थी। इस समस्या को दूर करने के लिए उन्होंने बोर के निर्माण की पहल की। इसके बाद समूह के माध्यम से डेढ़ लाख रुपये का ऋण स्वीकृत करवाकर बोर कराया। पानी की सुविधा उपलब्ध होने से उन्होंने सब्जी-भाजी की खेती शुरू की। दुकान संचालन और बकरी पालन के साथ सब्जी उत्पादन को भी आजीविका का माध्यम बनाकर विनीता ने आय के विभिन्न स्रोत विकसित किए।







प्रियंका चोपड़ा के पति निक जोनास ने तमिल गाने पर किया जबरदस्त डांस, वीडियो वायरल

प्रियंका चोपड़ा के विदेश पति निक जोनास का कॉन्सर्ट से पहले किसी बॉलीवुड गाने पर झूमना कोई नई बात नहीं है। अक्सर वो स्टेज पर उतरने से पहले हिंदी गानों से माहौल जमाते नजर आते हैं, लेकिन इस बार उन्होंने एक कदम आगे बढ़ाकर अपने भारतीय फैंस को सरप्राइज दिया है। निक अपने भाइयों जो और केविन जोनस के साथ मशहूर युवा संगीतकार साई अभ्यंकर के वायरल तमिल इंडी हिट गाने राधिमा पर धमाकेदार डांस करते नजर आए।

सोशल मीडिया पर शेयर किए गए एक प्यारे वीडियो में निक अपने भाइयों के साथ राधिमा गाने पर जबरदस्त डांस करते नजर आ रहे हैं।

इस क्लिप के जरिए यूं तो उन्होंने फैंस को दिवाली की शुभकामनाएं दीं, लेकिन उनके गाने के चुनाव ने हर किसी का दिल जीत लिया।

तमिल गाने के कंपोजर साई अभ्यंकर भी निक का डांस देखकर खुश हो गए। उन्होंने निक के पोस्ट पर लाल दिल वाला इमोजी शेयर करते हुए प्यार से भाई लिखा।

बता दें कि प्रियंका चोपड़ा से शादी के बाद निक को भारत में नेशनल जीजू कहा जाने लगा था और अब फैंस ने उन्हें एक नया प्यार भरा नाम दिया है।

गाने के बोल तंगामान पय्यन का मतलब गोल्ड बॉय है। फैंस ने इस नाम को निक से जोड़ दिया है।

इस तरह निक को नेशनल जीजू के साथ अब एक नया नाम भी मिल गया है। तमिल गाने पर उनका डांस देखकर साउथ के फैंस भी काफी खुश हैं।

राधिमा साई अभ्यंकर का तमिल गाना है, जिसे उन्होंने खुद कंपोज किया, गाया और तैयार किया है।

इसके बोल विवेक ने लिखे हैं। थेजो भारद्वाज के निर्देशन में बने गाने के वीडियो में साई के साथ एक्ट्रेस भाग्यश्री बोरसे नजर आई हैं।

24 अगस्त को रिलीज हुए इस गाने को 10 नवंबर तक यूट्यूब पर 11.7 करोड़ से ज्यादा बार देखा जा चुका है। इससे पहले साई कच्ची सेरा और आसा कूडा जैसे गानों से भी खूब लोकप्रिय हुए थे।

'इतना खूबसूरत दिखना अपराध है'

24 साल की एक्ट्रेस अनुष्का सेन ने दिए ऐसे पोज, दीवाने हुए यूजर्स

24 साल की अभिनेत्री अनुष्का सेन सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव हैं। वह अपने फैंस को अपनी जिंदगी से जुड़ी हर अपडेट देती रहती हैं। कई बार अभिनेत्री विदेश में अपने टूर की और अपने माता-पिता के साथ तस्वीरें साझा करती हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी नई तस्वीरें शेयर की हैं।

अनुष्का की पोस्ट में क्या है?

अनुष्का सेन ने जो तस्वीरें शेयर की हैं, उनमें देखा जा सकता है कि उन्होंने सूरज की रोशनी में खूबसूरत पोज दिए हैं। अभिनेत्री ने ब्लैक स्कर्ट और क्रॉप टॉप पहना है। अभिनेत्री ने ऊपर से मरून दुपट्टा डाला है। उन्होंने अपने लुक को ब्लैक सनग्लासेस से पूरा किया है।

यूजर्स को पसंद आई तस्वीरें

अभिनेत्री अनुष्का सेन ने अपनी तस्वीरें शेयर करते हुए लिखा, 'जब सूरज मेरे चेहरे को चूमता है।' अभिनेत्री की पोस्ट को कई यूजर्स ने लाइक किया है और कई फैंस ने कमेंट किए हैं। एक यूजर ने लिखा 'अन्नू के लिए लाल रंग।' एक और यूजर ने लिखा 'चमकता हुआ खूबसूरत चेहरा।' एक और यूजर ने मजाक में लिखा 'कोई पुलिस को बुलाओ। इतना खूबसूरत दिखना अपराध है।'

कौन हैं अनुष्का सेन?

4 अगस्त 2002 को जन्मीं अनुष्का सेन झारखंड के रांची से ताल्लुक रखती हैं। बचपन में ही वह अपने माता-पिता के साथ मुंबई में बस गईं। वह 'बालवीर', 'झांसी की रानी', 'फियर फैक्टर: खतरों के खिलाड़ी 11', और 'दिल दोस्ती डिलेमा' के लिए मशहूर हैं।

अनुष्का सेन का वर्कफ्रंट

अभिनेत्री को साल 2023 में रिलीज हुई फिल्म 'एम आई नेक्स्ट' में देखा गया था। इसमें उन्होंने हनी नाम की 14 साल की एक ऐसी लड़की का किरदार निभाया था जिसके साथ कथित तौर पर दुष्कर्म हुआ और वह गर्भवती हो गई। गर्भपात कराने के लिए उसे कानूनी लड़ाई लड़नी पड़ती है। अभिनेत्री 2025 में रिलीज हुई सीरीज 'किल दिल' और 'है जुनून' का भी हिस्सा रहीं।



रितेश देशमुख ने किया तेलुगु सिनेमा का रुख

पोथिनेनी की फिल्म आरएपीओ में शामिल



बॉलीवुड और मराठी सिनेमा में अपनी अलग पहचान बना चुके अभिनेता रितेश देशमुख अब तेलुगु सिनेमा में भी अपनी अभिनय यात्रा शुरू करने जा रहे हैं। वह दक्षिण भारतीय अभिनेता राम पोथिनेनी की आगामी फिल्म 'आरएपीओ23' से तेलुगु फिल्म जगत में पदार्पण करेंगे। इस फिल्म में रितेश मुख्य अभिनेता के रूप में नजर आएंगे। खास बात यह है कि वह राम पोथिनेनी के साथ फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी भी संभालेंगे। निर्माताओं ने आधिकारिक रूप से इस परियोजना की घोषणा कर दी है और इसके साथ ही फिल्म का पहला वीडियो भी जारी किया गया है।

रितेश देशमुख ने हिंदी और मराठी फिल्मों में अपने अभिनय तथा हास्य भूमिकाओं से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब तेलुगु फिल्म के माध्यम से वह अपने अभिनय का नया आयाम पेश करने के लिए तैयार हैं। 'आरएपीओ23' को लेकर जारी पहली झलक से फिल्म की शुरुआत को लेकर उत्सुकता बढ़ गई है।

फिल्म के पहले चरण की शूटिंग हैदराबाद में शुरू हो चुकी है। इसका निर्माण कृष्णा पोथिनेनी, रैपो सिनेमैटिक्स के बैनर तले कर रहे हैं। फिल्म में राम पोथिनेनी के साथ रितेश देशमुख और मुख्य अभिनेत्री के रूप में संयुक्ता नजर आएंगी।

रितेश का इस फिल्म से जुड़ना इसलिए भी खास माना जा रहा है, क्योंकि वह अभिनय के साथ निर्देशन की जिम्मेदारी भी निभाएंगे। ऐसे में दर्शकों को पर्दे पर उनकी नई भूमिका देखने के साथ-साथ उनके निर्देशन कौशल की झलक भी मिलेगी।

'आरएपीओ23' की कहानी और अन्य कलाकारों से जुड़ी विस्तृत जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। निर्माताओं ने फिल्म की प्रदर्शन तिथि की भी घोषणा नहीं की है। हालांकि, शूटिंग शुरू होने के साथ ही इस बहुप्रतीक्षित परियोजना का काम आगे बढ़ गया है। रितेश देशमुख के तेलुगु सिनेमा में प्रवेश से उनके प्रशंसकों को एक नई भाषाई फिल्म में उनका अभिनय देखने का अवसर मिलेगा। अब दर्शकों की नजर फिल्म की अगली झलक, कहानी और प्रदर्शन तिथि की आधिकारिक घोषणा पर रहेगी।

लंबे समय तक ब्रेक के बाद एक्सरसाइज करने के लिए अपनाएं ये पांच टिप्स

अगर आप लंबे समय तक कसरत नहीं कर रहे हैं और फिर से इसका अभ्यास शुरू करने जा रहे हैं, तो आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। इसके लिए आपको धीरे-धीरे शुरुआत करनी चाहिए और अपनी क्षमता के अनुसार ही कसरत करनी चाहिए। इसके अलावा सही उपकरणों का उपयोग और वार्म-अप करना भी जरूरी है। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स देते हैं, जिन्हें अपनाकर आप आराम से कसरत कर सकते हैं।



धीरे-धीरे शुरू करें

अगर आप लंबे समय से कसरत नहीं कर रहे हैं तो एकदम से इसे शुरू करने की गलती न करें। पहले दिन केवल 5-10 मिनट की हल्की कसरत करें और धीरे-धीरे समय बढ़ाएं।

इसके लिए पहले दिन हल्की स्ट्रेचिंग करें और फिर धीरे-धीरे अन्य गतिविधियों को शामिल करें। इससे आपका शरीर अनुकूल हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे। ध्यान रखें कि शुरुआत में हल्के वजन से शुरुआत करें और धीरे-धीरे वजन बढ़ाएं।

अपनी क्षमता को समझें

कसरत करते समय अपनी क्षमता को समझना बहुत जरूरी है। अगर आप ज्यादा वजन उठाने की कोशिश करेंगे तो चोट लगने की संभावना बढ़ सकती है। इसलिए पहले हल्के वजन से शुरू करें और फिर धीरे-धीरे बढ़ाएं।

इसके अलावा अपनी शारीरिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए ही कसरत करें। इससे आप बिना किसी समस्या के नियमित कसरत कर पाएंगे और आपकी सेहत भी बेहतर होगी। हमेशा अपनी सीमाओं को समझकर ही आगे बढ़ें।

सही उपकरणों का उपयोग करें

कसरत करते समय सही उपकरणों का उपयोग करना बहुत जरूरी है। जिम जाते समय अपने साथ पानी की बोतल, तौलिया और आरामदायक कपड़े जरूर रखें।

इसके अलावा अगर आप घर पर ही कसरत कर रहे हैं तो भी सही उपकरणों का उपयोग करें जैसे कि योगा मैट, डंबल आदि। इससे आपकी कसरत और भी प्रभावी होगी और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे। सही उपकरणों का उपयोग करने से आपकी सेहत भी बेहतर होगी।

वार्म-अप करना न भूलें

कसरत शुरू करने से पहले वार्म-अप करना बहुत जरूरी है क्योंकि यह आपके शरीर को तैयार करता है और चोट लगने की संभावना कम करता है। इसके लिए हल्की दौड़ लगाएं या कुछ मिनट तक रस्सी कूदें।

इसके अलावा स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज भी करें ताकि मांसपेशियां लचीली हों और शरीर में खून का संचार बेहतर हो सके।

वार्म-अप करने से आपका शरीर कसरत के लिए तैयार हो जाएगा और आप बिना किसी समस्या के नियमित रूप से अभ्यास कर सकेंगे।

आराम भी है जरूरी

कसरत के साथ-साथ आराम करना भी उतना ही जरूरी है जितना कि कसरत करना।

अगर आप लगातार बिना आराम किए कसरत करेंगे तो इससे थकान हो सकती है और शरीर पर बुरा असर पड़ सकता है। इसलिए हर दिन पूरी नींद लें और कभी-कभी ब्रेक लेकर शरीर को आराम करने दें।

इससे आपका शरीर ताजगी महसूस करेगा और आप बेहतर तरीके से कसरत कर पाएंगे।

इन सरल तरीकों को अपनाकर आप आसानी से अपनी सेहत को बढ़ा सकते हैं।

सुबह के नाश्ते को पौष्टिक बनाने के लिए खाएं ये 5 फल, फायदे हैं अनगिनत

सुबह का नाश्ता दिन का सबसे जरूरी भोजन माना जाता है। यह हमारे स्वास्थ्य पर गहरा असर डालता है। नाश्ते में फाइबर युक्त फल शामिल करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और शरीर को जरूरी पोषक तत्व मिलते हैं। आइए आज हम आपको 5 ऐसे फल के बारे में बताते हैं, जो नाश्ते में शामिल करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा देने के साथ कई स्वास्थ्य लाभ दे सकते हैं।



सेब

सेब में मौजूद फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और इसे नाश्ते में शामिल करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है।

सेब में ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लडने में मदद करते हैं।

इसे आसानी से काटकर खाया जा सकता है या सलाद में शामिल किया जा सकता है। यह एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

केला

केला पोटेशियम, विटामिन-क्र6 और फाइबर का अच्छा स्रोत है। यह पाचन को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है और सुबह के नाश्ते में इसे शामिल करने से पेट भरा हुआ महसूस होता है।

केले को आप आसानी से अपने बैग में रख सकते हैं और इसे कहीं भी खा सकते हैं। यह एक आसान और पोषक तत्वों से भरपूर फल है, जो आपको पूरे दिन ऊर्जा देता है।

नाशपाती

नाशपाती एक रसीला और स्वादिष्ट फल है, जो फाइबर से भरपूर होता है। इसे खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह पाचन को भी बेहतर रखता है।

नाशपाती में विटामिन-सी और ऐसे तत्व होते हैं, जो शरीर को नुकसान पहुंचाने वाले तत्वों से लडने में मदद करते हैं।

इसे आसानी से काटकर खाया जा सकता है या सलाद में शामिल किया जा सकता है। यह एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है।

पपीता

पपीता एक रसीला और पौष्टिक फल है, जिसमें पाचन को बेहतर बनाने वाले तत्व होते हैं। इसे खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह कब्ज जैसी समस्याओं से राहत दिला सकता है।

पपीते में विटामिन-सी, विटामिन-ए और फाइबर होते हैं, जो शरीर की प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाते हैं।

इसे सुबह के नाश्ते में शामिल करने से शरीर को भरपूर ऊर्जा मिलती है और यह एक स्वादिष्ट विकल्प भी है।

संतरा

संतरा विटामिन-सी का अच्छा स्रोत है, जो प्रतिरक्षा शक्ति को बढ़ाता है और शरीर को जरूरी तत्व प्रदान करता है। इसे खाने से पेट भरा हुआ महसूस होता है और यह पाचन को भी बेहतर रखता है।

संतरे को आसानी से काटकर खाया जा सकता है या रस के रूप में भी लिया जा सकता है। यह एक पौष्टिक और स्वादिष्ट विकल्प है, जो आपके स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है।

खास-खबर

ग्राम मिन्कापल्ली के तसर पालकों को मिली 42 हजार रुपये की सब्सिडी

बीजापुर। जिले में तसर रेशम पालन को बढ़ावा देने तथा ग्रामीण हितग्राहियों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने के उद्देश्य से मिन्कापल्ली तसर केंद्र के हितग्राहियों को पालित प्रजाति के स्वस्थ डिम्ब समूह वितरण योजना के अंतर्गत 3,000 स्वस्थ डिम्ब समूह वितरित किए गए। ये स्वस्थ डिम्ब समूह केंद्रीय रेशम बोर्ड की इकाई बीएसएमटीसी बस्तर से प्राप्त किए गए। वितरित डिम्ब समूहों का कुल मूल्य 48 हजार रुपये है, जिस पर हितग्राहियों को शासन की ओर से 42 हजार रुपये की सब्सिडी प्रदान की गई। इस प्रकार हितग्राहियों का कुल अंशदान मात्र 6 हजार रुपये रहा।

स्वस्थ डिम्ब समूहों के वितरण से तसर पालकों को गुणवत्तापूर्ण कोसा उत्पादन करने तथा अपनी अतिरिक्त आय बढ़ाने में सहायता मिलेगी। योजना के माध्यम से हितग्राहियों को कम लागत में तसर कृमिपालन करने का अवसर प्राप्त हुआ है। इस पहल से क्षेत्र में तसर रेशम पालन को प्रोत्साहन मिलने के साथ-साथ ग्रामीण परिवारों की आजीविका सुदृढ़ होने तथा स्वरोजगार के अवसर बढ़ने की उम्मीद है।

बालोद में 13 नवंबर को रोजगार मेले का आयोजन

बालोद। जिला रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र बालोद के तत्वावधान में निजी क्षेत्र में रोजगार के सुअवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 13 नवंबर को एक दिवसीय रोजगार मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन संयुक्त जिला कार्यालय स्थित जिला रोजगार कार्यालय में आयोजित होगा। रोजगार मेले में 10वीं, 12वीं, आईटीआई उत्तीर्ण, बीएससी एग्रीकल्चर, स्नातक, स्नातकोत्तर तथा अन्य योग्यताधारी आवेदकों के लिए कुल 03 नियोजकों द्वारा 220 तकनीकी एवं गैर-तकनीकी पदों पर भर्तियां की जाएंगी। रोजगार मेले में सम्मिलित होने हेतु इच्छुक अभ्यर्थियों को रोजगार विभाग के ई-रोजगार पोर्टल पर ऑनलाइन माध्यम से आवेदन करना अनिवार्य होगा।

करमा महोत्सव में दिखी जनजातीय संस्कृति की अनुपम झलक

श्रीकंचनपथ समाचार

जनजातीय संस्कृति, परम्पराओं एवं लोक कलाओं के संरक्षण और संवर्धन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल

सूरजपुर। जनजातीय समाज की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, पारंपरिक लोककला एवं लोकसंस्कृति के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से कलेक्टर रेना जमील के मार्गदर्शन में विकासखंडस्तरीय करमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।



इसी कड़ी में जिले के प्रतापपुर एवं सूरजपुर, भैयाथान विकासखंड में विकासखंड स्तरीय करमा महोत्सव का आयोजन उत्साह एवं उल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों, जनजातीय समाज के सदस्यों एवं बड़ी संख्या में नागरिकों ने सहभागिता निभाई।

महोत्सव में जनजातीय संस्कृति की अनुपम छटा देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में सजे कलाकारों ने मांदर की थाप पर करमा नृत्य और लोकगीतों की मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। लोक धुनों की मधुर लय एवं कलाकारों के उत्साहपूर्ण प्रदर्शन ने पूरे वातावरण को सांस्कृतिक रंगों से सराबोर कर दिया। उपस्थित दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट के साथ कलाकारों का उत्साहवर्धन किया।

जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का सशक्त माध्यम बना करमा महोत्सव

करमा पर्व जनजातीय समाज की आस्था, प्रकृति के प्रति सम्मान, सामुदायिक एकता एवं पारंपरिक जीवनशैली का प्रतीक है। ऐसे आयोजनों से जहां नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों, रीति-रिवाजों एवं पूर्वजों की समृद्ध विरासत से जुड़ने का अवसर मिलता है, साथ ही स्थानीय लोक कलाकारों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए मंच भी उपलब्ध होता है।

महोत्सव के माध्यम से जनजातीय लोककला एवं परंपराओं को जीवंत बनाए रखने का संदेश दिया गया।

चार स्तर पर आयोजित किया जा रहा जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव

उल्लेखनीय है कि राज्य शासन के निर्देशानुसार जनजातीय समाज के पारंपरिक लोकनृत्य एवं लोकगीतों के संरक्षण और संवर्धन के उद्देश्य से उत्तर छत्तीसगढ़ क्षेत्र जनजातीय लोकनृत्य महोत्सव (करमा महोत्सव) 2026 का आयोजन ग्राम पंचायत, विकासखंड, जिला एवं राज्य स्तर पर किया जा रहा है।

जनजातीय गौरव सप्ताह के अंतर्गत कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के मार्गदर्शन में जिले में महोत्सव के सुव्यवस्थित एवं सफल आयोजन हेतु आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं। महोत्सव में विभिन्न स्तरों पर प्रस्तुतियां देने का अवसर कलाकारों को मिलेगा।

विकासखंड स्तरीय महोत्सव में प्रदर्शन के आधार पर प्रथम एवं द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले जनजातीय लोकनृत्य दलों को जिला स्तरीय करमा महोत्सव में अपनी कला एवं प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। जिला स्तर पर चयनित उत्कृष्ट लोकनृत्य दलों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा साथ विजेता प्रतिभागियों को राज्य स्तर पर प्रदर्शन करने का अवसर मिलेगा।



कवर्धा। छत्तीसगढ़ की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक आस्था और गौ सेवा की परंपरा अनुरूप उप मुख्यमंत्री श्री विजय शर्मा ने आज कबीरधाम जिले के कवर्धा स्थित अपने निवास में सपरिवार गोवर्धन पूजा की। इस अवसर पर उन्होंने गौ माता की विधि-विधान पूर्वक पूजा-अर्चना कर उन्हें प्रसाद खिलाया तथा प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और मंगलमय जीवन की कामना की।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ के लिए चलेगा अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन के संकल्प के अनुरूप जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में जिला प्रशासन द्वारा व्यापक स्तर पर जागरूकता एवं रोकथाम संबंधी गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति के उन्मूलन के लिए सभी संबंधित विभागों के आपसी समन्वय से प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री द्वारा 10 मार्च 2024 को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान का शुभारंभ किया गया था। इस अभियान के तहत 31 मार्च 2029 तक छत्तीसगढ़ को पूर्णत: बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। इसी उद्देश्य की पूर्ति के लिए जिले में बाल विवाह की रोकथाम, जनजागरूकता एवं सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं।



अभियान के अंतर्गत जिले में 21 अक्टूबर से 21 दिसम्बर 2026 तक व्यापक प्रचार-प्रसार एवं जनजागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इस दौरान ग्राम पंचायतों, शैक्षणिक संस्थानों, आंगनबाड़ी केंद्रों एवं सार्वजनिक स्थलों पर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों के माध्यम से बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा बालिकाओं की शिक्षा, सुरक्षा एवं अधिकारों के प्रति जागरूक किया जाएगा।

27 नवम्बर 2026 को विशेष ग्राम सभा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें ग्रामीणों को बाल विवाह की रोकथाम के संबंध में जागरूक करने के साथ ही बाल विवाह मुक्त समाज के निर्माण का संकल्प दिलाया जाएगा।

कायाकल्प के तहत आयुष औषधालयों का निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। जिले में आयुष चिकित्सा सेवाओं को सुदृढ़ बनाने एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में आयुष विभाग द्वारा निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में संचालनालय आयुष विभाग रायपुर द्वारा जनस्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित कायाकल्प कार्यक्रम के तहत जिले के स्पेशियलिटी क्लिनिक, जिला चिकित्सालय बीजापुर एवं आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार का चयन उच्च स्तरीय मापदण्डों के आधार पर मूल्यांकन हेतु किया गया।

संचालनालय रायपुर की निरीक्षण टीम द्वारा दोनों आयुष संस्थानों का निरीक्षण कर उपलब्ध सुविधाओं एवं व्यवस्थाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया गया।

निरीक्षण के दौरान कायाकल्प समिति द्वारा विशेष रूप से दूरस्थ क्षेत्र में स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार की व्यवस्थाओं का बारीकी से अवलोकन किया गया। टीम ने वहां पदस्थ चिकित्सक डॉ. मधुबाला रामटेके एवं अन्य कर्मचारियों से संवाद कर राष्ट्रीय आयुष मिशन के अंतर्गत संचालित विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी ली। साथ ही औषधालय में उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं, स्वच्छता व्यवस्था, आवश्यक उपकरणों एवं अभिलेखों के संधारण का निरीक्षण किया।



स्वच्छता एवं औषधीय उद्यान की बेहतर व्यवस्था की सराहना- निरीक्षण टीम ने आयुष्मान आरोग्य मंदिर तुमनार में साफ-सफाई एवं सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं पर प्रसन्नता व्यक्त की। औषधालय परिसर में विकसित आयुष गार्डन में विभिन्न आयुर्वेदिक औषधीय पौधों का रोपण कर उनके नाम एवं पहचान संबंधी नेम प्लेट लगाए जाने की सराहना की गई।

औषधीय उद्यान को आम नागरिकों के अवलोकन एवं आयुर्वेदिक औषधियों की जानकारी के लिए व्यवस्थित रूप से विकसित किया गया है। इसके अतिरिक्त औषधालय में स्टाफ उपस्थिति, आयुषदीप समिति की बैठकों, रोगियों की संख्या एवं अन्य आवश्यक पंजीयों का सुव्यवस्थित संधारण पाया गया।

उद्योगमंत्री ने इमलीछापर में किया भूमिपूजन-लोकार्पण

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन के मुख्य आतिथ्य में कोरबा में सर्वमंगला नगर जोन के डगनियाखार में भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान वार्ड क्रमांक 64, 65 और 66 में पेयजल पाइपलाइन एवं नाली निर्माण के कार्यों का भूमिपूजन किया गया। साथ ही वार्ड क्रमांक 64 स्थित प्राथमिक शाला इमलीछापर के नवीन भवन का लोकार्पण किया गया।

भूमिपूजन किए गए कार्यों में वार्ड क्रमांक 66 के बलगी हायर सेकेंडरी स्कूल से डीआई पाइपलाइन बिछाने के लिए 4.21 लाख रुपये, डगनिया में सूरजभान के घर के पास से पीपल चौरा तक नाली निर्माण के लिए 15 लाख रुपये, वार्ड क्रमांक 65 के एक नंबर दफाई भाटापारा में डीआई पाइपलाइन बिछाने के लिए 16.18 लाख रुपये तथा वार्ड क्रमांक 64 के इमलीछापर परसाभांठा धनुहारपारा बस्ती से अमरजीत ऑफिस के पीछे तक डीआई पाइपलाइन बिछाने के लिए 2.12 लाख रुपये के कार्य शामिल हैं।



इस अवसर पर मंत्री श्री देवांगन ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में शहर से लेकर गांव तक विकास कार्य तेजी से कराए जा रहे हैं। मूलभूत सुविधाओं से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है। जिले के जर्जर आंगनबाड़ी और शासकीय स्कूल भवनों के स्थान पर नवीन भवनों का निर्माण भी किया जा रहा है। पेयजल पाइपलाइन और नाली निर्माण कार्य पूरे होने पर संबंधित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बेहतर होगी और गंदे पानी की निकासी के लिए समुचित व्यवस्था उपलब्ध होगी। इससे वार्डवासियों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ मिलेगा। वार्ड क्रमांक 64 स्थित प्राथमिक शाला इमलीछापर के पुराने और जर्जर भवन के स्थान पर जिला खनिज न्यास मद से 31.30 लाख रुपये की लागत से निर्मित नवीन शाला भवन का लोकार्पण भी किया गया।



मां वैष्णो देवी के दर्शन करने 21 तीर्थयात्री रवाना

मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना के अंतर्गत खैरागढ़-छुईखदान- गंडई जिले के 21 तीर्थयात्रियों का जत्था आज कलेक्ट्रेट परिसर से रवाना हुआ। जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री विक्रांत सिंह ने हरी झंडी दिखाकर दल को रवाना किया और यात्रियों की सुखद एवं मंगलमय यात्रा की कामना की। छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार चयनित ये तीर्थयात्री स्वर्ण मंदिर एवं माता वैष्णो देवी मंदिर के दर्शन करेंगे। यात्रा के दौरान दल वाघा बॉर्डर का भी भ्रमण करेगा। रवानगी से पूर्व कलेक्ट्रेट परिसर में अतिथियों ने तीर्थयात्रियों का पुष्पमाला पहनाकर आत्मीय स्वागत किया और शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री तीर्थ दर्शन योजना वरिष्ठ एवं पात्र नागरिकों की आस्था का सम्मान करते हुए उन्हें धार्मिक स्थलों के दर्शन का अवसर उपलब्ध करा रही है। योजना से उनकी तीर्थयात्रा की अभिलाषा साकार हो रही है।

निर्वाचक नामावलियों का प्रकाशन 12 नवंबर को

सूरजपुर। भारत निर्वाचन आयोग, के द्वारा छत्तीसगढ़ राज्य अंतर्गत फोटोयुक्त निर्वाचक नामावलियों का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अर्हता तिथि 01 जनवरी 2027 के संदर्भ में पुनरीक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किये जाने के निर्देश जारी किया गया है। उक्त संबंध में अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने जानकारी दी है कि आयोग द्वारा जारी कार्यकम के अनुसार निर्वाचक नामावलियों का प्रारंभिक प्रकाशन 12 नवंबर 2026 को किया जाना है। इसके संबंध में सर्व मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों को 12 नवंबर को संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में दोपहर 12:00 बजे बैठक आयोजित की गयी है। बैठक में मतदाता सूची के प्रारंभिक प्रकाशन उपरांत आयोग के निर्देशानुसार एक फोटोयुक्त हार्ड प्रति एवं फोटो रहित सॉफ्ट कॉपी प्रदान किया जाएगा।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

सुकमा के होनहारों ने नीट-जेईई में रचा इतिहास, 6 हुए सफल

श्रीकंचनपथ समाचार

सुकमा। दूरस्थ वनांचल और नक्सल प्रभावित क्षेत्र के रूप में पहचाने जाने वाले सुकमा जिले में अब उम्मीद और विकास की नई इबारत लिखी जा रही है। जिला प्रशासन की दूरगामी सोच और नि:शुल्क कोचिंग पहल 'क्षितिज' ने अभावों में पल रहे ग्रामीण किसान परिवारों के बच्चों के सपनों को पंख दिए हैं। राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित परीक्षाओं नीट और जेईई में शानदार प्रदर्शन करते हुए जिले के 2 प्रतिभावान छात्रों ने एमबीबीएस तथा 4 छात्रों ने देश के प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश पाकर जिले का मान बढ़ाया है। विषम भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के बीच मिली यह सफलता साबित करती है कि यदि सही मार्गदर्शन मिले, तो बस्तर की माटी से भी राष्ट्रीय स्तर की प्रतिभाएं निखर सकती हैं।

मंगलवार को कलेक्टोरेट कार्यालय में कलेक्टर श्री अमित कुमार ने इन सभी सफल विद्यार्थियों से आत्मीय व परिचयात्मक मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने छात्रों के कड़े संघर्ष और लगन की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के उच्च शिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए प्रेरित किया।

छात्रों की इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर उनका उत्साहवर्धन करते हुए कलेक्टर ने सभी को अत्याधुनिक सैमसंग मोबाइल फोन उपहार स्वरूप भेंट किए, ताकि वे उच्च शिक्षा के दौरान तकनीकी रूप से सशक्त रहकर अपनी पढ़ाई निरंतर सुचारू रख सकें।

प्रशासन द्वारा मिले इस सम्मान और स्नेह से छात्रों और उनके परिजनों के चेहरों पर खुशी की नई चमक दिखाई दी।

चिंगावरम निवासी छात्रा साक्षी माड़वी ने बताया कि जिला प्रशासन की नि:शुल्क 'क्षितिज कोचिंग' ने मेरे सपने को नई दिशा दी। कोर्रा निवासी आशीष कुंजाम, सुनील कुमार, मनीता नाग, गगन करतामी ने भी नि:शुल्क क्षितिज कोचिंग के लिए जिला प्रशासन को धन्यवाद दिया।

कलेक्टर अमित कुमार ने कहा कि 'क्षितिज' कोचिंग का उद्देश्य जिले के अंतिम छोर तक गुणवत्तापूर्ण तकनीकी व उच्च शिक्षा की पहुंच सुनिश्चित करना है।

खास खबर

मोबाइल में लगातार बात करने पर पति ने की पत्नी की हत्या

राजनांदगांव। पति से आए दिन विवाद से परेशान होकर पत्नी मायके लौट गई थी, लेकिन यहां भी उसके पीछे मौत बनकर पति पहुंच गया। दीपावली पर्व के दिन पत्नी को कपड़ा देने के बहाने ससुराल पहुंचकर उसी के घर तवा व धारदार वस्तु से प्राणघातक हमला कर उसे मौत के घाट उतार दिया। लालबाग थाने से प्राप्त जानकारी अनुसार, 7 नवंबर की रात्रि मे शांतिनगर में हत्या की सूचना प्राप्त होने पर चौकी चिखली द्वारा त्वरित कार्यवाही करते हुए घटनास्थल पहुंचकर तस्दीक किया। प्रार्थी निखील शेण्डे ने रिपोर्ट दर्ज कराया कि उसकी बहन से पति लक्की ठाकुर उर्फ विक्की पिता खिबीराम ठाकुर द्वारा विवाद करने के कारण वह मायके आयी थी। जिसे कपड़ा देने के बहाने पहुंचे पति ने उसे घर मे अकेली देखकर घर में रखे तवा एवं धारदार वस्तु से प्राणघातक हमला कर हत्या किया गया है। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गया था। गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

ढाबे में खाने के दौरान दो पक्षों में विवाद, चार युवक गिरफ्तार

राजनांदगांव। दीपावली पर्व के दौरान ग्राम जनकपुर स्थित एक ढाबे में खाना खाने के दौरान दो पक्षों के बीच विवाद और धक्का-मुक्की हो गई। विवाद इतना बढ़ गया कि चार युवक मारपीट पर उतारू हो गए। आवेदक खिलेश चंद्रबंशी (25) निवासी नागरकोहरा और दूसरे पक्ष के युवकों के बीच विवाद शुरू हो गया। दूसरे पक्ष के गोकुल निषाद (9), धनेश्वर साव (8), भूपेश कुमार साहू (9) एवं भूपेंद्र साहू (9) सभी निवासी आसरा, थाना डोंगरगांव, विवाद के दौरान धक्कामुक्की करने लगे और मारपीट पर उतारू हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन चारों युवक विवाद जारी रखे हुए थे। पुलिस चिचोला ने चारों के विरुद्ध धारा 170, 26 एवं 135(3) बीएनएसएस के तहत प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय के समक्ष पेश किया गया, जहां से जेल भेज दिया गया।

घाटी में आमने-सामने भिड़ीं दो बाइक, एक की मौत

जगदलपुर। दरभा क्षेत्र की कमानार-चितापुर घाटी मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे की गवाह बनी। दो तेज रफ्तार मोटरसाइकिलों के बीच आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। कमानार निवासी 30 वर्षीय दीपक नाग की मौके पर ही मौत हो गई। दीपक नाग पिता सोमरू नाग बाइक जा रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रही बाइक से उनकी सीधी भिड़ंत हो गई। दूसरी मोटरसाइकिल पर सवार कनापारा निवासी गौरव नाग और किरण नाग भी हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गए। दोनों घायलों की गंभीर स्थिति को देखते हुए उन्हें डिमरापाल स्थित मेकाज रेफर किया गया। फिलहाल दोनों का मेकाज में उपचार जारी है। वहीं हादसे में युवक की मौत से कमानार क्षेत्र में शोक का माहौल है।

दुर्ग में युवक की हत्या : पुरानी रंजिश में धारदार हथियार से किया वार, दो नाबालिग सहित 10 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत सोमवार रात को पुरानी रंजिश में युवक की हत्या का मामला सामने आया है। इस मामले में पुलिस ने कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों में दो नाबालिग व तीन महिलाएं भी शामिल हैं। सभी ने मिलकर युवक से मारपीट की और धारदार हथियार से वार किया। गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल पहुंचाया गया लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका। इस मामले में कोतवाली पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।



मिली जानकारी के अनुसार घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। प्रार्थी राजीव नगर निवासी समारू राम देवांगन ने रिपोर्ट दर्ज कराई कि मृतक चंदू उर्फ चंदन प्रसाद देवांगन का आरोपियों के साथ पुरानी रंजिश को लेकर वाद-विवाद हुआ था। विवाद के पश्चात आरोपियों ने अपने साथियों को बुलाकर एक राय होकर उक्त घटना को कारित किया। इस हमले में मृतक को गंभीर चोटें आईं, जिन्हें अस्पताल ले जाने पर डॉक्टरों द्वारा मृत घोषित कर दिया गया।

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना सिटी कोतवाली दुर्ग में निरीक्षक नवीन राजपूत द्वारा भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की सुसंगत धाराओं (धारा 103(1), 61(2), 191(1), 191(2), 331(8) बीएनएस) के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया है। पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए 10 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है तथा मामले में अग्रिम वैधानिक कार्रवाई जारी है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम

- पंकज ठाकुर पिता केदार ठाकुर उम्र 28 वर्ष
- निखिल ठाकुर पिता संदीप ठाकुर उम्र 20 वर्ष
- खूबलाल ठाकुर उर्फ छोटी पिता केदार ठाकुर उम्र 22 वर्ष
- संगीता ठाकुर पति संदीप ठाकुर उम्र 35 वर्ष
- पुष्पा ठाकुर पति लल्ला ठाकुर उम्र 30 वर्ष
- योगिता ठाकुर पिता संदीप ठाकुर उम्र 18 वर्ष
- संदीप ठाकुर पिता मालिक राम ठाकुर उम्र 42 वर्ष
- सत्या साहू पिता स्वर साहू उम्र 18 वर्ष

दुर्ग भिलाई में चार दिनों में पुलिस ने 80 से ज्यादा जुआ की फड़ पर मारी रेड, 289 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में अवैध जुआ एवं सार्वजनिक स्थानों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलने की गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाने के उद्देश्य से दिनांक 06.11.2026 से 09.11.2026 तक विशेष अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान जिले के विभिन्न थाना एवं चौकी क्षेत्रों में पुलिस टीमों द्वारा एक साथ कार्रवाई करते हुए कुल 89 जुआ प्रकरणों में 289 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। इस दौरान 2,70,310 नगद एवं 89 ताश की गड्डियां जप्त की गईं।



दुर्ग पुलिस द्वारा जिले में अवैध जुआ एवं अन्य गैरकानूनी गतिविधियों की रोकथाम के लिए लगातार निगरानी एवं कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में दिनांक 06.11.2026 से 09.11.2026 तक जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में सार्वजनिक एवं अन्य स्थानों पर रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेले जाने की सूचनाएं प्राप्त होने पर संबंधित थाना पुलिस की टीमों द्वारा अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी गई। कार्रवाई के दौरान कुल 89 अलग-अलग जुआ प्रकरण दर्ज कर 289 व्यक्तियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की गई। पुलिस टीमों द्वारा आरोपियों के कब्जे से कुल 2,70,310 नगद एवं 52 पत्तों वाली कुल 89 ताश की गड्डियां जब्त की गईं।

दुर्ग जिले के नेवई, वैशाली नगर, सुपेला, स्मृतिनगर, दुर्ग, मोहन नगर, पुलगांव, पद्मनाभपुर, पुरानी भिलाई, जामुल, कुम्हारी, छावनी, पाटन, धमधा, खुर्सीपार, बोरी, नंदिनी नगर, उतई, जामगांव, अमलेश्वर एवं रानीतराई सहित जिले के विभिन्न थाना/चौकी क्षेत्रों में यह कार्रवाई की गई। इस कार्रवाई में पुलिस टीमों द्वारा सूचना संकलन, संबंधित स्थानों की निगरानी एवं त्वरित दबिश देकर जुआ गतिविधियों पर प्रभावी कार्रवाई की गई। सभी प्रकरणों में आवश्यक वैधानिक प्रक्रिया पूर्ण की गई।

प्रकरणों में संलिप्त व्यक्तियों द्वारा सार्वजनिक एवं अन्य स्थानों पर समूह बनाकर एकत्रित होते हुए ताश के पत्तों के माध्यम से रुपये-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेला जा रहा था। सूचना प्राप्त होने पर संबंधित थाना पुलिस की टीमों द्वारा मौके पर दबिश देकर जुआ खेल रहे व्यक्तियों को पकड़ा गया तथा जुआ खेलने में प्रयुक्त नगदी एवं ताश की गड्डियां जप्त की गईं।

सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी, दो आरोपी गिरफ्तार, पाना-पेचकस और बाइक जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज



जांजगीर-चांपा। बम्हनीडीह थाना क्षेत्र के कपिस्दा गांव में सूने मकान का ताला तोड़कर चोरी करने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, आरोपियों ने किशुन चंद्रभाष के सूने मकान के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया। इसके बाद कमरे में रखी अलमारी का लॉक तोड़कर उसमें रखे 2,500 रुपए और चांदी के जेवर चुरा लिए। चोरी हुए जेवरों में एक जोड़ी पायल, एक मंगलसूत्र, दो अंगूठियां और एक बिछिया शामिल हैं।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस ने गांव वालों की मदद से घेराबंदी कर संदेह के आधार पर दोनों आरोपियों को पकड़ा। पूछताछ में उन्होंने पाना और पेचकस से दरवाजे की कुंडी काटकर चोरी करना स्वीकार किया।

पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने मकान के दो अलग-अलग कमरों में रखी अलमारियों से नकदी और चांदी के जेवर चुराए थे। पुलिस ने आरोपियों से चोरी के जेवर, नकदी और पाना-पेचकस जब्त किए।

इसके अलावा घटनास्थल पर छोड़ी गई मोटरसाइकिल भी जब्त की गई है। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कपिस्दा निवासी सोनू कुमार साहू (25) और रितेश कुमार पटेल (26) के रूप में हुई है। दोनों को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया है।

सतनाम मंदिर का कलश चोरी करने वाला युवक गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। जांजगीर-चांपा जिले के अकलतरा थाना क्षेत्र के ग्राम पचरी स्थित सतनाम मंदिर से प्राचीन गुंबज कलश चोरी करने के आरोप में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। ग्राम पचरी का सतनाम मंदिर भारत का पांचवां सतनाम तीर्थ स्थल है। यह सतनाम समाज की आस्था का प्रमुख केंद्र है। मंदिर में लगा गुंबज कलश करीब 1945 में स्थापित किया गया था। 17-18 अक्टूबर की दरमियानी रात अज्ञात चोर इसे निकालकर ले गया था। घटना के बाद समाज के लोगों में आक्रोश था। इससे पहले भी मंदिर के सामान की चोरी और नुकसान की घटनाएं हो चुकी थीं।

पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। गांव में सीसीटीवी कैमरे नहीं होने के कारण स्थानीय स्तर पर जानकारी जुटाई गई। संदेह के आधार पर पुलिस ने पचरी निवासी शुभम शर्मा (28), पिता हरिशंकर शर्मा, को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पुलिस का कहना है कि पूछताछ में उसने चोरी करना स्वीकार किया। आरोपी ने बताया कि वह शराब पीने का आदी है। घटना के दिन उसके पास शराब पीने के पैसे नहीं थे। इसलिए उसने गांव के तालाब के पास स्थित मंदिरों के कलश चोरी करने की योजना बनाई। शिव मंदिर का कलश ऊंचाई पर होने के कारण वह उसे नहीं निकाल पाया और पास के गुरु घासीदास बाबा मंदिर का गुंबज कलश चोरी कर लिया।

पुलिस के अनुसार, रात ज्यादा होने के कारण आरोपी कलश बेच नहीं पाया और उसे घर भी नहीं ले जा सका। इसलिए उसने कलश कटनई प्रहरी जंगल में छिपा दिया। पुलिस ने गवाहों की मौजूदगी में उसकी निशानदेही पर कलश बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ बीएनएस की धारा 303(2) के तहत कार्रवाई की है। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया।

छत्तीसगढ़ में शराबी बेटे की पिता ने की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में एक पिता ने अपने शराबी बेटे की टंगिया मारकर हत्या कर दी। घटना जिले के मुलमुला थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम डिघोरा की है। मृतक की पहचान रावेंद्र मरावी के रूप में हुई है। रावेंद्र मरावी की आयु 35 वर्ष थी। हत्या के बाद पिता ने स्वयं थाने पहुंचकर खुद को सरेंडर कर दिया। पुलिस ने आरोपी पिता को गिरफ्तार कर आगे की कार्रवाई शुरू की।



मिली जानकारी के अनुसार ग्राम डिघोरा निवासी दिलहरण मरावी का बेटा रावेंद्र मरावी शराब पीने का आदी था। वह शराब के नशे में अक्सर घर में झगड़ा और मारपीट करता था। बेटे के इस प्रकार के व्यवहार से पिता दिलहरण मरावी बहुत परेशान था। रावेंद्र के लगातार लड़ाई-झगड़े और मारपीट से तंग आकर पिता ने टंगिया से बेटे पर कई बार वार किए।

इन गंभीर हमलों के कारण रावेंद्र मरावी की घटनास्थल पर ही मृत्यु हो गई। वारदात को अंजाम देने के बाद आरोपी पिता दिलहरण मरावी ने मुलमुला थाने पहुंचकर पुलिस के सामने आत्मसमर्पण कर दिया।

इसके बाद स्थानीय पुलिस तत्काल ग्राम डिघोरा पहुंची। पुलिस दल ने घटनास्थल का बारीकी से मुआयना किया। मृतक रावेंद्र मरावी के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पुलिस इस पूरे मामले में आवश्यक वैधानिक कार्रवाई कर रही है। आरोपी पिता दिलहरण मरावी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया गया है।

महिला के गले से सोने की माला छीनी, बाइक पर बैठते समय बदमाश ने मारा झपट्टा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायगढ़। रायगढ़ में महिला के गले से अज्ञात युवक सोने की माला छीनकर फरार हो गया। महिला अपने बेटे के साथ सब्जी खरीदने संजय मार्केट आई थी। बाजार से लौटते समय जब वह बाइक की पिछली सीट पर बैठ रही थी, तभी आरोपी ने पीछे से झपट्टा मारकर माला खींच लिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।



घटना कोतवाली थाना क्षेत्र की है। सोनूमुड़ा नयापारा निवासी सुमित्रा यादव (52) अपने बेटे आशीष यादव के साथ बाइक से सब्जी खरीदने संजय मार्केट आई थी। सब्जी खरीदने के बाद दोनों घर लौटने की तैयारी कर रहे थे। इसी दौरान सुमित्रा बाइक की पिछली सीट पर बैठ रही थी, तभी पीछे से एक अज्ञात युवक आया और उनके गले में पहनी 14 पत्ती वाली सोने की माला खींचकर भागने लगा।

झपट्टा मारने से माला टूटकर नीचे गिर गई। उसमें लगी 14 सोने की पत्तियों में से 11 नीचे गिर गईं, जबकि आरोपी 3 पत्तियां लेकर बाजार की तरफ तेजी से भाग निकला। चोरी गई सोने की पत्तियों की कीमत करीब 30 हजार रुपए बताई गई है।

घटना के बाद आसपास के इलाके में आरोपी की तलाश की गई, लेकिन उसका पता नहीं चला। महिला के मुताबिक, आरोपी की उम्र करीब 25 से 30 साल थी। उसने गुलाबी रंग की शर्ट पहन रखी थी।

इसके बाद पीड़िता ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 304 बीएनएस के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

एनएमडीसी प्लांट में ऑपरेटर जिंदा जला

पिघले लोहे की चपेट में आया, साथी कर्मचारी देखते रह गए, मेटल ठंडा होने पर निकाली गई बॉडी

श्रीकंचनपथ न्यूज

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले में स्थित नगरनार एनएमडीसी स्टील प्लांट में बड़ा हादसा हो गया। प्लांट में काम करने के दौरान ऑपरेटर गर्म पिघले हुए लोहे (हॉट मेटल) की चपेट में आ गया। इस दौरान उसके साथी कर्मचारी भी मौके पर मौजूद थे, लेकिन कोई उसे नहीं बचा पाया। चंद सेकंड में ऑपरेटर की मौत हो गई। मृतक की पहचान मंगल साय (31) के रूप में हुई है। वह बस्तर के देवड़ा गांव का रहने वाला था। घटना नगरनार थाना क्षेत्र की है।

जानकारी के मुताबिक, प्लांट में मंगलवार दोपहर लोहे को गलाने का काम चल रहा था। इसी दौरान ऑपरेटर मंगल साय गर्म पिघले हुए लोहे की चपेट में आ गया। लोहे का तापमान इतना ज्यादा था कि वह बुरी तरह जल गया।



हादसा कैसे हुआ इसकी जानकारी नहीं

हादसे के बाद प्लांट के दूसरे कर्मचारी भी मौके पर पहुंचे। हालांकि, मेटल के थोड़ा ठंडा होने के बाद जली हुई बॉडी को निकाला गया। हादसा किन परिस्थितियों में हुआ है और ऑपरेटर गर्म मेटल की चपेट में कैसे आया, इसकी स्पष्ट जानकारी अभी सामने नहीं आई है।

इस मामले को लेकर एनएमडीसी प्रबंधन की तरफसे भी कोई बयान अब तक सामने नहीं आया है। नगरनार थाना प्रभारी विकेश तिवारी ने बताया कि प्लांट में हुए हादसे की जांच की जा रही है। जांच के बाद हादसे से जुड़ी अन्य जानकारियां सामने आएंगी।

टुल्लू पंप चोरी बनी हत्या की वजह, 24 घंटे में आरोपी गिरफ्तार

कोंडागांव। कोंडागांव जिले के ग्राम चिचाड़ी में पुरानी रंजिश ने एक बुजुर्ग की जान ले ली। शीतला मंदिर के पास सड़क किनारे मंगो वट्टी का खून से लथपथ शव मिलने से गांव में सनसनी फैल गई। 9 नवंबर की सुबह करीब 5 बजे उनके बेटे रंजीत वट्टी खेत जाने के लिए निकले थे, तभी उनकी नजर शव पर पड़ी। मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच शुरू की और चिकित्सकीय परीक्षण में सिर पर गंभीर चोट से मौत की पुष्टि हुई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक पंकज चंद्रा के निर्देश पर विशेष टीम गठित की गई। फॉरेंसिक टीम और डॉग स्क्वाड की मदद से घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए गए। पुलिस ने 10 नवंबर को आरोपी विकास मरकाम को गिरफ्तार कर बीएनएस की धारा 103(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

जुए के ठिकानों पर पुलिस की दबिश, 29 गिरफ्तार

नारायणपुर। दीपावली के दौरान जुए के जरिए कमाई का खेल खेलने वालों पर नारायणपुर पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। सिटी कोतवाली पुलिस ने शहर और आसपास के ग्रामीण इलाकों में एक साथ कार्रवाई करते हुए छह अलग-अलग मामले दर्ज किए। इस अभियान में कुल 29 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और उनके कब्जे से 50 हजार 720 रुपये नकद जब्त किए गए। सबसे बड़ी कार्रवाई पातुरबेड़ा के जंगल के पीछे खुले मैदान में हुई, जहां सात आरोपी जुआ खेलते पकड़े गए। पुलिस ने सभी छह मामलों में कुल 29 लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है। त्योहार के दौरान अलग-अलग ठिकानों पर हुई इस कार्रवाई से साफ है कि पुलिस की नजर जुए के अवैध अड्डों पर बनी हुई है।







खास खबर



विष्णु की पाती पाकर खुश हुईं शाहिदा, गांव गांव तक पहुंचा रही डिजिटल बैंकिंग सेवा

रायपुर। सशक्त महिलाएं न केवल आर्थिक आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रही हैं, बल्कि समाज में सकारात्मक बदलाव की वाहक भी बन रही हैं। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में राज्य शासन महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य कर रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएं अब आजीविका के पारंपरिक साधनों से आगे बढ़कर डिजिटल और बैंकिंग सेवाओं जैसे क्षेत्रों में भी अपनी सक्रिय भागीदारी निभा रही हैं। इससे महिलाओं को नई पहचान मिलने के साथ ही ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने में भी मदद मिल रही है। सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत बटवाही की सुश्री शाहिदा बेगम भी ऐसी ही सशक्त महिला हैं, जो अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में कार्य करते हुए ग्रामीण क्षेत्र में बदलाव की नई मिसाल प्रस्तुत कर रही हैं।

छत्तीसगढ़ राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की ओर से भेजी गई 'विष्णु की पाती' ने शाहिदा बेगम की खुशियों को और बढ़ा दिया है। मुख्यमंत्री ने पत्र के माध्यम से अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में उनके कार्यों की सराहना करते हुए उन्हें प्रोत्साहित किया है। मुख्यमंत्री से मिले इस आत्मीय संदेश को शाहिदा ने अपने लिए गर्व और सम्मान का क्षण बताया है।

डिजिटल सेवाओं के माध्यम से ग्रामीण समाज में बदलाव की बन रहीं सहभागी

सरगुजा जिले के ग्राम पंचायत बटवाही की रहने वाली सुश्री शाहिदा बेगम अटल डिजिटल केंद्र और बीसी सखी के रूप में अपनी सेवाएं दे रही हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में डिजिटल सुविधाओं और बैंकिंग सेवाओं की पहुंच बढ़ाने में इस प्रकार की महिला सेवा प्रदाताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। इन सेवाओं से ग्रामीण नागरिकों को अपने क्षेत्र में ही आवश्यक कार्यों को पूरा करने की सुविधा मिलती है।

बस्तर में धान खरीदी की तैयारी पूर्ण; पड़ोसी राज्यों का धान छेंकने सीमाओं की गहन निगरानी

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। राज्य शासन के निर्देशानुसार बस्तर जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2026-27 के अंतर्गत समर्थन मूल्य पर धान खरीदी का अभियान 15 नवम्बर से 15 जनवरी 2027 तक संचालित किया जाएगा। उपार्जन अवधि के दौरान पड़ोसी राज्यों से अवैध धान लाकर जिले के सीमावर्ती उपार्जन केन्द्रों में विक्रय करने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा पूरी तरह सतर्कता बरती जा रही है। कलेक्टर आकाश छिकारा द्वारा सीमावर्ती जांच नाकों पर राजस्व, मण्डी, वन एवं होमगार्ड के अधिकारियों व कर्मचारियों की 24 घंटे की तीन पालियों में ड्यूटी लगाने का आदेश जारी किया गया है।

जारी निर्देशों के तहत नवंबर 2026 से 30 अप्रैल 2027 तक अन्य राज्यों से धान का आयात केवल संचालक, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति की पूर्व अनुमति से ही संभव हो सकेगा।



हालांकि 3300 रुपये प्रति क्विंटल से अधिक लागत वाले सुपर फाइन धान के लिए संचालक की अनुमति की अनिवार्यता नहीं रहेगी, परंतु संबंधित आयातक को जिला खाद्य नियंत्रक को इसकी अग्रिम सूचना देना अनिवार्य होगा। सीमा पर आने-जाने वाले सभी मालवाहक वाहनों के प्रवेश पर कड़ी नजर रखी जाएगी और उनका बाकायदा पंजी संधारित कर प्रविष्टि दर्ज की जाएगी। यदि कोई भी वाहन बिना वैध दस्तावेजों के धान का परिवहन करते पाया जाता है, तो उसके विरुद्ध तत्काल सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। साथ ही सभी अनुविभागीय राजस्व अधिकारी प्रत्येक समय-सीमा की बैठक में की गई कार्रवाई का ब्योरा प्रस्तुत करेंगे। अवैध धान की आवक को पूरी तरह रोकने के लिए जिले के सात प्रमुख सीमावर्ती नाकों धनपुंजी, भेजापदर, नलपावण्ड, तारापुर, पोटियावण्ड, कोलावल और बदलावण्डकृपर त्रि-स्तरीय निगरानी तंत्र तैयार किया गया है।

पोंगरी हाइड्रोपावर; बिना बिजली और डीजल के खेतों तक पहुंचेगा सिंचाई पानी

आधुनिक विज्ञान और स्थानीय संसाधनों के समन्वय से खुलेगा किसानों की समृद्धि का रास्ता : साय

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के कांसाबेल विकासखंड अंतर्गत ग्राम पोंगरो में घुघरी नदी पर निर्मित एनीकट हाइड्रो पावर आधारित पम्पिंग योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। सरगुजा संभाग की अपनी तरह की इस पहली नवाचारी सिंचाई परियोजना की विशेषता यह है कि इसमें बिजली, डीजल, पेट्रोल अथवा सौर ऊर्जा का उपयोग किए बिना केवल नदी के जल प्रवाह से खेतों तक सिंचाई का पानी पहुंचाया जा रहा है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि सिंचाई सुविधाओं का विस्तार हमारी सरकार की प्राथमिकता है। पोंगरो इस बात का उत्कृष्ट उदाहरण है कि आधुनिक विज्ञान और स्थानीय प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग से किसानों की समस्याओं का स्थायी और पर्यावरण अनुकूल समाधान किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से किसानों को सिंचाई के लिए बिजली और डीजल पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा, जिससे खेती की लागत कम करने में भी मदद मिलेगी। यह पहल अन्य क्षेत्रों में भी सिंचाई सुविधाओं के विस्तार के लिए एक प्रेरक मॉडल बन सकती है।

पोंगरो एनीकट हाइड्रो पावर पम्पिंग योजना में नदी के बहते पानी की ऊर्जा से टरबाइन पम्प संचालित किया जाता है। इसके लिए पूर्व निर्मित एनीकट से लगभग 100 मीटर डाउनस्ट्रीम में प्लेटफॉर्म तैयार कर टरबाइन पम्प स्थापित किया गया है। यह पम्प नदी तल से लगभग 12 मीटर ऊंचाई पर स्थित तथा 200 मीटर दूर निर्मित वितरण टंकी तक अधिकतम 17 लीटर प्रति सेकंड की दर से पानी पहुंचाने में सक्षम है। वितरण टंकी से पक्की सिंचाई नहरों एवं नालियों के माध्यम से खेतों तक पानी पहुंचाने की व्यवस्था की गई है।

इस परियोजना की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता यह है कि पम्प संचालन के लिए किसी बाहरी ऊर्जा स्रोत की आवश्यकता नहीं है। इससे सिंचाई व्यवस्था के संचालन में पारंपरिक ईंधन की खपत और उससे होने वाले कार्बन उत्सर्जन से बचा जा सकेगा। यह परियोजना हरित ऊर्जा, जल संरक्षण और टिकाऊ कृषि की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

135 किसान परिवारों को मिलेगा सीधा लाभ

लगभग 2 करोड़ 68 लाख रुपए की लागत से पूर्ण की गई इस परियोजना से क्षेत्र के करीब 135 कृषक परिवारों को प्रत्यक्ष लाभ मिलेगा। योजना के माध्यम से लगभग 80 एकड़ कृषि क्षेत्र में रबी एवं ग्रीष्मकालीन फसलों के लिए सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इससे किसानों को वर्षा आधारित खेती पर निर्भरता कम करने, अतिरिक्त फसल लेने और कृषि उत्पादन बढ़ाने के अवसर मिलेंगे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में जल संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए किसानों को वर्षभर खेती के अवसर उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। पोंगरो की यह पहल दर्शाती है कि नवाचार को गांवों और खेतों तक पहुंचाकर कृषि विकास को नई गति दी जा सकती है। हमारी सरकार किसानों की आय बढ़ाने, सिंचाई का दायरा विस्तृत करने और खेती को अधिक लाभकारी बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

'विष्णु की पाती' से सोन कुमारी का बढ़ा उत्साह, मिट्टी के हुनर को मिला सम्मान



श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। सूरजपुर जिला के ग्राम केशवनगर की श्रीमती सोनकुमारी प्रजापति अपने हुनर और मेहनत से पारंपरिक मिट्टी कला को आजीविका का माध्यम बना रही हैं। वे मिट्टी से दीये, गुल्लक और मटके तैयार करती हैं।

महिला स्व-सहायता समूह से जुड़कर वे आत्मनिर्भरता की दिशा में निरंतर आगे बढ़ रही हैं। उनके प्रयासों को मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की 'विष्णु की पाती' पहल के माध्यम से सराहना और प्रोत्साहन मिला है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने श्रीमती सोनकुमारी को पत्र लिखकर उनके कार्यों की प्रशंसा की और उन्हें इसी लगन के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। मुख्यमंत्री का पत्र पाकर श्रीमती सोनकुमारी भावुक हो गईं। उन्होंने कहा कि उन्होंने कभी कल्पना नहीं की थी कि मुख्यमंत्री उन्हें व्यक्तिगत रूप से पत्र लिखेंगे। यह उनके लिए खुशी और गर्व का क्षण है।

श्रीमती सोनकुमारी ने मुख्यमंत्री के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रोत्साहन उन्हें अपना काम और बेहतर ढंग से आगे बढ़ाने की प्रेरणा देगा। उन्हें उम्मीद है कि आगे भी उन्हें मार्गदर्शन और प्रोत्साहन मिलता रहेगा, जिससे उनका व्यवसाय निरंतर आगे बढ़ सके।

'विष्णु की पाती' के माध्यम से मुख्यमंत्री प्रदेश के नागरिकों से आत्मीय संवाद कर रहे हैं। यह पहल श्रीमती सोनकुमारी जैसी महिलाओं के हुनर, परिश्रम और उपलब्धियों को पहचान देने के साथ उन्हें अपने प्रयास जारी रखने का हौसला भी दे रही है।

प्रकृति, गौवंश और कृषि जीवन के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का प्रतीक है गोवर्धन

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने गोवर्धन पूजा के पावन अवसर पर जशपुर जिले के बगिया स्थित निवास में धर्मपत्नी श्रीमती कौशल्या साय के साथ विधि-विधान से गौमाता की पूजा-अर्चना की। मुख्यमंत्री श्री साय ने गौमाता को तिलक लगाकर उनका पूजन किया और आशीर्वाद प्राप्त किया।

उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण एवं गौमाता से प्रदेशवासियों के सुखी, समृद्ध और खुशहाल जीवन की प्रार्थना की तथा प्रदेश के खेत-खलिहान सदैव धन-धान्य से परिपूर्ण रहने की मंगलकामना की।

मुख्यमंत्री ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह पर्व हमारी सनातन संस्कृति में प्रकृति, गौवंश और कृषि जीवन के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता का प्रतीक है। भगवान श्रीकृष्ण ने गोवर्धन लीला के माध्यम से प्रकृति के संरक्षण, जीव-जंतुओं के प्रति करुणा और सामूहिक कल्याण का जो संदेश दिया था, वह आज भी उतना ही प्रासंगिक है।



मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संस्कृति में गौमाता को पूजनीय स्थान प्राप्त है। गौवंश हमारी कृषि परंपरा और ग्रामीण अर्थव्यवस्था का अभिन्न अंग रहा है। गौसेवा केवल हमारी धार्मिक आस्था ही नहीं, बल्कि प्रकृति और समस्त जीव-जगत के प्रति संवेदनशीलता तथा संरक्षण की हमारी सांस्कृतिक चेतना की भी अभिव्यक्ति है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि गोवर्धन पूजा का पर्व हमें स्मरण कराता है कि मानव जीवन की समृद्धि प्रकृति के साथ संतुलन और सहअस्तित्व में निहित है। भगवान श्रीकृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाकर ब्रजवासियों और गौवंश की रक्षा करने की पौराणिक कथा हमें संकट के समय एकजुटता, परस्पर सहयोग और लोककल्याण की प्रेरणा देती है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भगवान श्रीकृष्ण एवं गौमाता से प्रार्थना की कि उनकी कृपा से छत्तीसगढ़ का हर परिवार सुखी और समृद्ध रहे, किसानों के खेतों में भरपूर फसल हो तथा प्रदेश निरंतर प्रगति और खुशहाली के पथ पर आगे बढ़ता रहे।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ की लोकसंस्कृति में भी गौवंश, खेती-किसानी और प्रकृति के प्रति गहरी आस्था रही है। गोवर्धन पूजा के साथ मनाया जाने वाला गौरा-गौरी पर्व हमारी समृद्ध लोकपरंपराओं और सामाजिक एकता का जीवंत उदाहरण है। ऐसे पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत को पीढ़ी-दर-पीढ़ी आगे बढ़ाने के साथ समाज को अपनी जड़ों से जोड़े रखते हैं।

हेल्पलाइन 1076 पर त्वरित समाधान, राजेश के घर पहुँची 'विष्णु की पाती'

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 पर दर्ज एक शिकायत के समाधान के बाद बलरामपुर जिला के वाड्रफनगर विकासखंड के सुदूर ग्राम सोनहत निवासी राजेश कुमार कुशवाहा के घर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की 'विष्णु की पाती' पहुँची। लर्निंग लाइसेंस से जुड़ी समस्या के निराकरण के बाद मुख्यमंत्री श्री साय ने स्पीड पोस्ट से उन्हें शुभकामना पत्र भेजा और लाइसेंस मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त की। श्री कुशवाहा ने लर्निंग लाइसेंस बनवाने में आ रही परेशानी के संबंध में हेल्पलाइन 1076 पर संपर्क किया था। शिकायत पर कार्रवाई हुई और उन्हें लाइसेंस मिल गया। राज्य स्थापना दिवस के अवसर पर भेजे गए पत्र में मुख्यमंत्री श्री साय ने श्री कुशवाहा और उनके परिवार को बधाई देते हुए कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समाधान करना शासन की प्राथमिकता है। हेल्पलाइन 1076 इसी उद्देश्य से शुरू की गई है कि नागरिक अपनी बात सहजता से शासन तक पहुँचा सकें और समाधान के लिए जरूरी कदम उठाए जा सकें।



बाल विकास मंत्री ने आंगनबाड़ी में बच्चों के साथ मनाया जन्मदिवस, बांटी खुशियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। जन्मदिन की खुशियां अपनों के बीच मनाई जाती हैं, लेकिन जब इन खुशियों में बच्चों की मुस्कान जुड़ जाए तो वह दिन और भी खास बन जाता है। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने अपना जन्मदिन सूरजपुर जिला के ग्राम लटोरी के नवापारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र के नन्हे-मुन्ने बच्चों के साथ मनाया। न्योता भोज के इस आत्मीय आयोजन में उन्होंने बच्चों को अपने हाथों से भोजन परोसा और उनके साथ पंगत में बैठकर भोजन किया। इस अवसर पर प्रेमनगर विधायक श्री भूलन सिंह मरावी भी मौजूद रहे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े के आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचते ही बच्चों ने एक स्वर में हैप्पी बर्थडे टू यू गाकर उन्हें जन्मदिन की बधाई दी। मंत्री ने बच्चों के बीच बैठकर उनसे बातचीत की। बच्चों ने पूरे उत्साह से अपना परिचय दिया।

बच्चों ने मछली जल की रानी है, आलू कचालू और तितली रानी जैसी बाल कविताएं सुनाईं। बच्चों की प्यारी प्रस्तुतियों पर मंत्री ने तालियां बजाकर उनका उत्साह बढ़ाया। जब उन्होंने पूछा कि आंगनबाड़ी में रोज कौन-कौन आता है, तो बच्चों ने मुस्कुराते हुए हाथ उठाकर जवाब दिया।

बच्चों के साथ संवाद में मंत्री ने स्वच्छता की अच्छी आदतों पर भी बात की। उन्होंने पूछा कि चॉकलेट खाने के बाद उसका रैपर कहां डालना चाहिए। बच्चों ने एक साथ कहा डस्टबिन में, मंत्री ने उनकी सराहना की और आसपास साफ-सफाई रखने की सीख दी। न्योता भोज में बच्चों के लिए चावल, दाल, खीर, पूड़ी, छोला और मुनगा भाजी सहित कई व्यंजन परोसे गए। भोजन से पहले बच्चों ने सामूहिक रूप से भोजन मंत्र का पाठ किया। इसके बाद मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने स्वयं बच्चों को भोजन परोसा और उनके साथ जमीन पर बैठकर भोजन ग्रहण किया। बच्चों के बीच बैठकर भोजन साझा करने का यह सहज दृश्य आयोजन की सबसे आत्मीय झलक बना।



भोजन के बाद मंत्री ने बच्चों को टॉफियां और उपहार भेंट किए। उपहार पाकर बच्चों के चेहरे खुशी से खिल उठे। जन्मदिन के अवसर पर बच्चों के साथ बिताए गए इन पलों ने आयोजन को स्नेह और आत्मीयता से भर दिया। आंगनबाड़ी केंद्रों में न्योता भोज का उद्देश्य समुदाय को बच्चों के पोषण, देखभाल और समग्र विकास से जोड़ना है।

स्वास्थ्य मंत्री ने निर्माणाधीन स्वास्थ्य परियोजनाओं का किया निरीक्षण

श्रीकंचनपथ समाचार

मनेंद्रगढ़। स्वास्थ्य मंत्री एवं विधायक श्याम बिहारी जायसवाल ने मनेंद्रगढ़ क्षेत्र में संचालित विभिन्न स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक निर्माण परियोजनाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने आमाखेरवा में निर्माणाधीन 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल, झगराखंड रोड पर निर्माणाधीन अस्थायी मेडिकल कॉलेज एवं बालक-बालिका छात्रावास तथा परसगढ़ी में बन रहे मेडिकल कॉलेज के निर्माण कार्यों का जायजा लिया।

निरीक्षण के दौरान मंत्री ने अधिकारियों, इंजीनियरों एवं निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों से निर्माण कार्यों की प्रगति, गुणवत्ता और परियोजनाओं के पूर्ण होने की निर्धारित समय-सीमा के संबंध में विस्तार से जानकारी ली।

स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सबसे पहले आमाखेरवा में निर्माणाधीन 220 बिस्तरीय सिविल अस्पताल का निरीक्षण किया। उन्होंने अस्पताल भवन के निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों से अब तक पूर्ण हुए कार्यों और शेष निर्माण कार्यों की स्थिति के बारे में चर्चा की।



उन्होंने निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति की जानकारी लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। मंत्री ने कहा कि मेडिकल कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र में चिकित्सा शिक्षा के नए अवसर उपलब्ध होंगे। वहीं, बालक एवं बालिका छात्रावासों के निर्माण से मेडिकल कॉलेज में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों को बेहतर आवासीय सुविधाएं मिल सकेंगी।

मंत्री जायसवाल ने परसगढ़ी में निर्माणाधीन मेडिकल कॉलेज परिसर पहुंचकर वहां चल रहे निर्माण कार्यों का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण एजेंसी के प्रतिनिधियों एवं संबंधित अधिकारियों से कार्य की प्रगति, निर्माण सामग्री की गुणवत्ता तथा निर्धारित समय-सीमा के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने कहा कि मेडिकल कॉलेज का निर्माण एमसीबी जिले के विकास और स्वास्थ्य सुविधाओं के विस्तार की दृष्टि से महत्वपूर्ण उपलब्धि साबित होगा। इससे क्षेत्र के विद्यार्थियों को चिकित्सा शिक्षा के बेहतर अवसर मिलेंगे और आम नागरिकों को उन्नत स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य मंत्री ने सभी निर्माण परियोजनाओं में गुणवत्ता के निर्धारित मानकों का अनिवार्य रूप से पालन करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों एवं इंजीनियरों से कहा कि निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी की जाए और कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए आवश्यक संसाधन एवं बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि इन परियोजनाओं का उद्देश्य क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा करना है, इसलिए निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और समयबद्धता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950